दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी
श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 136 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

सोमवार 18 अगस्त 2025 डाक- मंगलवार 19 अगस्त 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमले में 31 लोगों की मौत

खार्तूम ,18 अगस्त । स्वयंसेवी समूहों के अनुसार, पश्चिमी सूडान के एल फशर शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में कम से कम 31 लोग मारे गए। मृतकों में सात बच्चे और एक गर्भवती महिला भी शामिल हैं। इसके अलावा 13 अन्य घायल हो गए। स्वयंसेवी समूह, सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शनिवार को एक बयान में कहा कि आरएसएफ ने अबू शौक में विस्थापन शिविर को 'जानबूझकर' निशाना बनाकर एक 'जघन्य अपराध' किया है। संगठन ने ये चेतावनी दी है कि एल फशेर की जारी घेराबंदी के कारण दवाइयों, चिकित्सा कर्मचारियों और भोजन की भारी कमी हो गई है, जिससे 'हजारों विस्थापित महिलाओं और बच्चों को धीमी मौत का सामना करना पड़ रहा है।' अबू शौक आपातकालीन कक्ष ने एक बयान में कहा कि शनिवार को शिविर के उत्तरी हिस्से में भारी गोलाबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। इस बीच, एल फशेर में प्रतिरोध समितियों के समन्वय नामक एक स्वयंसेवी समूह ने कहा कि आरएसएफ का हमला सुबह-सुबह शुरू हुआ और दोपहर तक जारी रहा। इससे नागरिकों में दहशत फैल गई और नए सिरे से विस्थापन शुरू हो गया।

वाह वाह

पप्पू सरकारी अस्पताल में पड़े-पड़े अपनी बीमारी से परेशान होकर डॉक्टर से कहता है

पप्पू- ऐसी बीमारी से तो मर जाना अच्छा है

डॉक्टर- हम पूरी कोशिश कर तो रहे हैं.....

एक अमेरिकन डॉक्टर भारत आया

बस स्टैंड के पास एक बुक स्टॉल पर किताब देखते ही उसे दिल का दौरा पड़ गया

20 रुपये कि उस किताब का नाम था- 30 दिन में डॉक्टर कैसे बनें?

देश में पहली बार रेल पटरियों के बीच लगाया सोलर पैनल, बनारस में ग्रीन एनर्जी की अनूठी पहल

वाराणसी, 18 अगस्त (एजेंसी)। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) ने रेल पटरियों के बीच सोलर पैनल सिस्टम स्थापित कर भारतीय रेलवे के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा है। यह अनूठी पहल भारतीय रेलवे को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर ले जाने में मदद करेगी। पायलट प्रॉजेक्ट के तहत रेल इंजन कारखाने की लाइन संख्या 19 पर 15 किलोवॉट क्षमता का सोलन पैनल स्थापित किया गया है। इस परियोजना में स्वदेशी डिजाइन का उपयोग कर 70 मीटर लंबे रेल ट्रैक

पर 28 सोलर पैनल लगाए गए हैं। सोलर पैनलों को रबर पैड और एपॉक्सी एडहेसिव से कंक्रीट स्लीपर इन्हें से चिपकाया गया है, जिससे धातु-कंक्रीट का मजबूत बंधन सुनिश्चित हो सके। इस योजना के तहत पटरियों के बीच लगाए जाने वाले एक सोलर पैनल का आकार 2278×1133×30 मिमी और वजन 31.83 किग्रा है। खास बात यह है कि ये सोलर पैनल ट्रेन के आवागमन में बाधा नहीं डालेंगे और जरूरत पड़ने पर आसानी से हटाया जा सकता है। इसके लिए 4 एस.एस. एलन बोल्ट के जरिए पैनलों को जल्दी हटाने की व?यवस?था की गई है। बरेका के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने बताया कि इस सफल परियोजना से प्रति किलोमीटर सालाना 3.21 लाख यूनिट सोलर ऊर्जा पैदा होने का अनुमान है। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि यह परियोजना न केवल सौर ऊर्जा के उपयोग का नया आयाम है, बल्कि यह भविष्य में भारतीय रेलवे के लिए हरित ऊर्जा का एक सशक्त मॉडल बनेगा।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने किया आईईडी विस्फोट, डीआरजी जवान शहीद, तीन घायल

बीजापुर, 18 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान के दौरान रविवार को डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम सर्च आपरेशन पर थी। इसी दौरान सोमवार को सुबह नक्सलियों के द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में डीआरजी के जवान दिनेश नाग शहीद हो गए। इसके अलावा इस ब्लास्ट में तीन अन्य जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों

का भोपालपटनम स्वास्थ्य केंद्र उपचार चल रहा है। घायल जवानों की स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर बताई जा रही है।

प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए निकाला गया है और आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था की जा रही है। जिला पुलिस प्रशासन ने बताया कि अभियान पूर्ण होने के बाद विस्तृत जानकारी अलग से शेयर की जाएगी।

हैदराबाद में निकल रही थी जन्माष्टमी रथ यात्रा, अचानक गिरी बिजली की तार, 5 भक्तों की दर्दनाक मौत

हैदराबाद , 18 अगस्त (एजेंसी)। हैदराबाद के रामंतपुर इलाके में कृष्ण जन्माष्टमी समारोह के दौरान एक रथ के हाई-टेंशन बिजली के तारों की चपेट में आने से पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह घटना रविवार देर रात एक बजकर 30 मिनट पर रामनाथपुर इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस वाहन में भगवान की मूर्तियां रखी थीं और यह वाहन ऊपर से

गुजर रहे बिजली के तार से टकरा गया जिसके बाद तार टूटकर वाहन पर गिर गया। घटना में घायल हुए चार लोगों का अस्पताल में उपचार जारी है। उप्पल पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा, कल रात श्री कृष्ण जन्माष्टमी जुलूस के दौरान बिजली का झटका लगने से पाँच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। घायलों को आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम की धमकी, हाई अलर्ट पर पुलिस, परिसर खाली कराया गया

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को सोमवार सुबह बम की धमकी मिली, जिसके बाद स्कूलों को तुरंत खाली कराया गया और बड़े पैमाने पर सुरक्षा जाँच की गई। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) द्वारका, मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल और सेक्टर 10, द्वारका स्थित श्रीराम वर्ल्ड स्कूल उन संस्थानों में शामिल थे जिन्हें ईमेल के ज़रिए धमकी मिली थी। पुलिस, बम निरोधक दस्ते और दिल्ली अग्निशमन सेवा तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और परिसर की गहन तलाशी शुरू की। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा,

एहतियात के तौर पर सभी छात्रों और कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया है। तलाशी अभियान जारी है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली जिसके बाद एहतियान स्कूल परिसर खाली करा दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि स्कूल में बम होने की सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते की कई टीम मौके पर पहुंच गई हैं। अग्निशमन सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''तलाश अभियान जारी है।'' इस संबंध में अभी और जानकारी नहीं मिल पाई है।

यह ताज़ा धमकी हाल के महीनों में राष्ट्रीय राजधानी में इसी तरह की कई घटनाओं के बाद आई है। 18 जुलाई को, दिल्ली भर के 50 से ज़्यादा स्कूलों ने एक ही सुबह बम की धमकी वाले ईमेल मिलने की सूचना दी, जिससे दहशत फैल गई और बड़े पैमाने पर स्कूलों को खाली कराना पड़ा। इनमें सिविल लाइंस स्थित सेंट जेवियर्स, पश्चिम विहार स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल, रोहिणी स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल और रोहिणी स्थित द सॉवरेन स्कूल जैसे प्रमुख संस्थान शामिल थे।

आवारा कुत्तों को बचाने सड़कों पर उतरे पशु प्रेमी, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। शहर के सभी आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने के सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के खिलाफ शनिवार शाम को प्रदर्शनकारी इंडिया गेट के निकट सेंट्रल पार्क में एकत्र हुए। आज फिर पशु प्रेमियों ने बड़े स्तर पर अपना विरोध दर्ज करने के लिए दिल्ली के रामलीला मैदान में इकठ्ठा होने की गुहार लगाई है। इससे पहले चेन्नई के कैनाल रोड पर सैकड़ों पशु प्रेमी, आवारा कुत्तों के साथ, आवारा कुत्तों को पकड़ने और उन्हें आश्रय देने के सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए, जिसमें खासकर दिल्ली में आवारा कुत्तों को पकड़ने और

उन्हें आश्रय देने का निर्देश दिया गया था।

इस विरोध प्रदर्शन में बच्चों और युवाओं सहित लगभग 500 लोग शामिल हुए। इस दौरान हाथों में तख्तियाँ थीं जिन पर लिखा था, बेआवाज़ों के लिए आवाज़ उठाओ, घर पिंजरा नहीं है, और दिल्ली के आवारा कुत्तों के खिलाफ अन्याय का अंत करो। अब इसके बाद दिल्ली में भी विरोध प्रदर्शन की आवाज काफी तेज हो रही है।

पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और पशु प्रेमियों ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में कई स्थानों पर आवारा कुत्तों को नगर निगम के आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने दावा किया कि ये आश्रय स्थल अस्तित्वहीन और अपर्याप्त हैं। कनॉट प्लेस के निकट हनुमान मंदिर, रामलीला मैदान और पीतमपुरा के पैसिफिक मॉल में प्रदर्शन आयोजित किए गए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि आश्रय स्थलों में कुत्तों को स्थानांतरित करने का कदम उठाया गया, तो इससे सड़क पर रहने वाले हजारों कुत्तों का जीवन खतरे में पड़ जाएगा। आयोजकों के अनुसार, दिन भर चलने वाले प्रदर्शन की शुरुआत रामलीला मैदान में एक रैली के साथ हुई। उन्होंने रैली को आयोजन स्थल पर पशु कल्याण समुदाय का पहला बड़ा जमावड़ा बताया। विरोध-प्रदर्शन में कथित तौर पर लगभग 300-400 लोगों ने हिस्सा लिया।

यमुना नदी का रौद्र रूप, दिल्ली के निचले इलाकों में हाई अलर्ट! आ सकती है बाढ़

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान को पार कर गई है, जिससे उत्तर भारत में भारी बारिश के बाद बाढ़ की चिंता बढ़ गई है। ऊपरी बैराजों से लगातार पानी जमा हो रहा है।

दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान को पार कर गई है, जिससे उत्तर भारत में भारी बारिश के बाद बाढ़ की चिंता बढ़ गई है। ऊपरी बैराजों से लगातार पानी जमा हो रहा है। पीटीआई के अनुसार, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने पुष्टि की है कि रविवार शाम करीब 7 बजे पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर 204.60 मीटर तक पहुँच गया और 204.50 मीटर के चेतावनी स्तर को पार कर गया। सीडब्ल्यूसी ने नदी के बढ़ते जलस्तर को ऊपरी यमुना जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा और हथिनीकुंड तथा वज़ीराबाद बैराज से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने से जोड़ा है। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, एडवाइजरी में कहा गया है, 17 अगस्त को हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की मात्रा और ऊपरी यमुना क्षेत्र में भारी वर्षा को देखते हुए, यह सूचित किया जाता है कि 19 अगस्त, 2025 को सुबह 2 बजे के आसपास दिल्ली रेलवे ब्रिज पर जलस्तर 206.00 को पार कर सकता है। दिल्ली के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का स्तर 205.33 मीटर है और 206 मीटर पर लोगों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाती है। दिल्ली में पुराने रेलवे ब्रिज पर सोमवार सुबह सात बजे यमुना नदी का जलस्तर 204.80 मीटर के स्तर तक पहुंच गया। रविवार शाम को जलस्तर 204.60 मीटर के आसपास था। नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिये पुराना रेलवे ब्रिज एक मुख्य अवलोकन स्थल के तौर पर कार्य करता है। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जलस्तर संभावित रूप से बढ़ने के पूर्वानुमान के मद्देनजर सभी एजेंसियों को एहतियाती कार्रवाई करने के लिये कहा गया है।

चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट हुआ विपक्ष, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी!

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसी)। वोट चोरी के चल रहे आरोपों के बीच, विपक्षी दल संसद के मानसून सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकते हैं। सोमवार को कई रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। समाचार एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन के हवाले से कहा कि पार्टी ज़रूरत पड़ने पर महाभियोग प्रस्ताव समेत सभी लोकतांत्रिक हथकंडे अपनाने को तैयार है, हालाँकि अभी तक इस पर कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है।

हुसैन ने कहा कि अगर ज़रूरत पड़ी तो हम नियमों के तहत लोकतंत्र के सभी हथकंडे अपनाएँगे। अभी तक हमने (महाभियोग पर) कोई चर्चा नहीं की है, लेकिन ज़रूरत पड़ने पर हम कुछ भी कर सकते हैं। एक दिन पहले, ज्ञानेश कुमार ने संविधान के प्रावधानों और चुनावी कानूनों की धाराओं का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता

राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए %वोट चोरी% के आरोपों को खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने गांधी के आरोपों को भारत के संविधान का अपमान करार दिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता नहीं है और शिकायत दर्ज कराना चाहता है तो वह केवल शपथ लेकर गवाह के रूप में ही ऐसा कर सकता है।'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 31 जुलाई को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रस्तुति के माध्यम से 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक वोट ''चोरी'' हुए थे। गांधी ने अन्य राज्यों में भी इसी तरह की अनियमितताओं का आरोप लगाया था। कई राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने गांधी से अपने दावों पर शपथपत्र दाखिल करने को कहा था, लेकिन गांधी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

बस्तर, बीजापुर, सुकमा समेत कई क्षेत्रों में होगी जोरदार बारिश

रायपुर। रविवार को दिनभर धूप-छांव के खेल के बाद रात के वक्त बारिश से मौसम में ठंडक आ गई. प्रदेश में विदर्भ क्षेत्र में निम्न दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से बारिश की गतिविधि तेज होने की संभावना है. वहीं अगले तीन दिनों तक मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है.

दुर्ग रेलवे स्टेशन से अपहृत 18 माह का बालक तमिलनाडु से बरामद, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/ दुर्ग, 18 अगस्त (एजेंसी)। शासकीय रेल पुलिस चौकी दुर्ग, थाना रेल पुलिस भिलाई ने त्वरित कार्यवाही करते हुए रेलवे स्टेशन दुर्ग से अपहृत 18 माह के मासूम को तमिलनाडु के तंजावूर से सकुशल बरामद कर लिया है. इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी अरुमुगम निवासी तिरूनिलपुडी, तंजावूर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है. मामला 26 जुलाई की रात का है, जब सूर्या मानिकपुरी अपनी पत्नी सोनू मानिकपुरी और दो बच्चों (3 वर्ष व 18 माह के साथ रेलवे स्टेशन दुर्ग स्थित टिकट बुकिंग काउंटर के पास सो रहे थे. सुबह 4 बजे जागने पर उन्होंने पाया कि उनका 18 माह का पुत्र गायब है. सूचना पर गुम इंसान कायम कर पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया.

रायपुर में पानी की समस्या निपटाने अब रोबोट से जांच कराएगा नगर निगम

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसी)। नगर निगम जोन-4 कमिश्नरी अंतर्गत ब्राम्हणपारा वार्ड के लगभग चार मोहल्ले में चार महीने बाद भी पेयजल समस्या नहीं सुलझ पाई. यहां स्थिति ऐसी है कि जुलाई-अगस्त महीने में भी नागरिक पार्षद अजय साहू से टैंकर की डिमांड करने लगे हैं. इधर नगर निगम ने इस मोहल्ले में पेयजल समस्या निबटाने गर्मी के मौसम से लेकर अब तक अनेक प्रयोग किये लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली. अब प्रयोग की इसी कड़ी में पानी की पाइपलाइन के भीतर की स्थिति को जांचने रोबोटिक लैंस का इस्तेमाल करेगा. निगम आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि शहर के मध्य स्थित इस मोहल्ले की पेयजल समस्या निगम के लिए भी लगातार चुनौती बनी हुई है. इसका समाधान जल्द निकाला जाएगा. इधर वार्ड पार्षद श्री साहू ने कहा कि अधिकारी समस्या का समाधान करने उचित और ठोस कार्रवाई

नहीं कर रहे हैं, यह इसी का नतीजा है.

रोबोटिक जांच पर निगम में जलकार्य विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र ने बताया कि सोनालाइट कंपनी का यह रोबोट यंत्र विशेष रूप से पेयजल पाइपलाइन के लिए ही बनाया गया है. दुर्ग में इसी मशीन से परीक्षण के बाद अच्छे परिणाम भी निकले. इसीलिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत हम मशीन को ब्राम्हणपारा के सोहागा मंदिर के पीछे स्थित एरिया की पाइपलाइन में उतारेंगे. उन्होंने बताया कि इस जांच के एवज में निगम को कुछ भी नहीं देना होगा. अगर इसके परिणाम सही निकले तब इसे अन्य पेयजल समस्याग्रस्त वार्ड में भेजेंगे.

ब्राम्हणपारा वार्ड में पानी की सप्लाई मोतीबाग टंकी और ईदगाह भाठा टंकी से हो रही है. इस वार्ड के लिए सबसे नजदीकी टंकी ईदगाहभाठा है. पेयजल समस्याग्रस्त धोबीपारा, पंचपथपारा गली, अवधिया पारा सहित भोईपारा के आगे सिंधी गली के कुछ हिस्से में पानी की सप्लाई ईदगाहभाठा टंकी से हो रही है. इसके बावजूद यहां भी लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है. इसके लिए निगम ने सारथी चौक से पाइपलाइन को बदलकर एक नई लाइन डालने लगभग 40 लाख रुपये स्वीकृत भी किया. यह काम अभी शुरू नहीं हो पाया है.

सबका साथ-सबका विकास की संकल्पना को पूरा करने पूर्ण इच्छाशक्ति के साथ कार्य कर रही है राज्य सरकार - उद्योग मंत्री

उद्योग मंत्री ने स्लम बस्तियों को दी सर्वसुविधायुक्त उद्यान की सौगात,48 लाख रू. की लागत से बरपारा कोहड़िया मुख्य मार्ग के किनारे बनाया गया है उद्यान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास'' की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार पूर्ण इच्छाशक्ति के साथ कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह के कार्यकाल में प्रारंभ की गई दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं को पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया था, अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुनः इन योजनाओं को प्रारंभ कराने के साथ ही अनेक जनहितैषी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रदेश में कराया है, जिनका सीधा लाभ प्रदेश के करोड़ों नागरिकों को प्राप्त हो रहा है। उन्हेने कहा क जहॉ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो मेरा संकल्प है कि नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र के सभी वार्डो में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास कार्य होगें तथा जन समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी संवेदनशीलता व प्राथमिकता के साथ कार्य किए जाएंगे।

उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आज बरपारा कोहड़िया में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहीं। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा केन्द्र सरकार के एन.सी.ए.पी. मद से 48 लाख रूपये की लागत से निगम के वार्ड क्र. 18 बरपारा कोहड़िया मुख्य मार्ग के किनारे सर्वसुविधायुक्त उद्यान का निर्माण कराया गया है, आज प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए उद्यान का लोकार्पण किया तथा जनताजनार्दन की सेवा में समर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, वहीं सभापति नूतन सिंह ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन, वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण व जनप्रतिनिधिगण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का लक्ष्य है कि बिना भेदभाव के विकास को आगे बढ़ाना, सभी का विकास करना, सबको साथ में लेना तथा सबको विश्वास में लेकर कार्य करना। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय श्री मोदी के इसी लक्ष्य पर तेजी के साथ कार्य कर रहे हैं, प्रदेश में बिना किसी भेदभाव के केवल राज्य की जनता के हित में कार्य हो रहे हैं। उन्होने कहा कि मेरा संकल्प है कि नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी बिना किसी भेदभाव के सभी 67 वार्डो में समान रूप से विकास कार्य होंगे, कोरबा की जनता

मेरी अपनी है, मैं उनके परिवार का सदस्य हूँ, अतः उनकी समस्याओं का निराकरण करना, उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना मैं अपना प्रथम कर्तव्य मानता हूँ। मुझे खुशी है कि कोरबा की जनता ने मुझे अपार प्यार, स्नेह व आशीर्वाद दिया है, जिसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँतथा सदैव आभारी रहूँगा। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के आशीर्वाद से अलग-अलग मदों में कोरबा के लिए लगभग 700 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिन्हें मूर्त रूप देने का कार्य शीघ्रता के साथ किया जा रहा है। उन्होने कहा कि विशेषकर नगर निगम कोरबा क्षेत्र समस्यामुक्त क्षेत्र बने, इस दिशा में व्यापक पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं।

उद्योग मंत्री के सहयोग से विकास हेतु लगातार मिल रहा फण्ड - इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के प्रयास से नगर पालिक निगम कोरबा को विकास कार्यो हेतु लगातार धनराशि प्राप्त हो रही है, जिसकी बदौलत व्यापक पैमाने पर विकास व निर्माण के कार्य निगम क्षेत्र में संचालित हो रहे हैं। उन्हेने कहा कि निगम क्षेत्र के नागरिकों की प्रत्येक समस्या के निराकरण के लिए उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के लिए उद्योग मंत्री श्री देवांगन तथा हम पूरी तरह कतिबद्ध हैं तथा हमारा संकल्प है कि बिना किसी भेदभाव के केवल कोरबा की जनता की इच्छा व उनकी आवश्यकता के अनुरूप विकास व निर्माण कार्य होंगे।

बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई - इस अवसर पर वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि वार्ड क्र. 18 में लगभग छोटी-बड़ी 15 बस्तियॉ सम्मिलित है, इन बस्ती के नागरिकों की पुरानी मांग थी कि यहॉ पर गार्डन का निर्माण हो, मुझे खुशी है कि आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के आशीर्वाद से यहॉ के नागरिकों व माताओं-बहनों की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई है, अब इन बस्तियों के निवासियों को भ्रमण व वाकिंग के लिए तथा बच्चों के खेलकूद के लिए यह सुविधा प्राप्त हो गई है, आज इस अवसर पर यहॉ पर भारी संख्या में उपस्थित हुई माताओं-बहनों व भाईयों को देखकर यह सिद्ध होता है कि यह गार्डन उनके लिए कितना महत्वपूर्ण है।

उद्योग मंत्री के मार्गदर्शन में कोरबा का तेजी से विकास - इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कोरबा का निश्चित रूप से तेजी से विकास हो रहा है, उनके महापौर के कार्यकाल में भी नगर निगम कोरबा ने विकास के नये आयाम स्थापित किए थे। उन्होने कहा कि आज जब इस गार्डन का लोकार्पण उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने किया तो फीता काटते ही सैकड़ों की संख्या में बच्चे बड़े उत्साह के साथ गार्डन में पहुंचे तथा यहॉ उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का लाभ लेना शुरू कर दिया, यह देखकर हम सबको रोमांच हुआ, हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई।

लोकार्पण अवसर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन व अशोक चावलानी के साथ ही पार्षद लक्ष्मण श्रीवास, एम.आई.सी. सदस्य अजय चन्द्रा व ममता यादव, पार्षद युगल कैवर्त, पकंज देवांगन, मुकुंद सिंह कंवर, प्रताप सिंह कंवर, ईश्वर पटेल, पूर्व पार्षद दिनेश वैष्णव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.राजीव सिंह, नरेन्द्र पाटनवार, प्रफुल्ल तिवारी, राजेश राठौर, अजय विश्वकर्मा, परमिंदर सिंह, हरेराम साहू, आकाश श्रीवास्तव, रामकुमार राठौर, लक्की नंदा, कृष्णा द्विवेदी, पुनीराम साहू, पुनीराम पटेल, निर्मला साहू, शिव चौहान, रवि पी.सिंह, सुनीता राव, प्यारेलाल साहू, बलीराम यादव, सोनू राठौर, निगम के कार्यपालन अभियंता अखिलेश शुक्ला, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, आकाश अग्रवाल आदि के साथ काफी संख्या में नागरिकगण, महिलाएं व बच्चें उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री ने अशोक वाटिका के प्रवेश और पार्किंग शुल्क को वापस लेने दिए निर्देश

जनहित पर मंत्री श्री देवांगन ने लिया तत्काल संज्ञान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अशोक वाटिका के रखरखाव और संचालन के नाम पर लगाए गए शुल्क को श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन और महापौर संजू देवी राजपूत ने तत्काल वापस लेने के निर्देश दिए गए।

गौरतलब है की अर्बन पब्लिक सर्विस सोसाइटी द्वारा अशोक वाटिका गार्डन प्रवेश शुल्क और पार्किंग शुल्क वसूल किये जाने के नाम पर प्रस्ताव पारित किया था। आम जनों के माध्यम से संज्ञान मिलने के बाद कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने तत्काल कलेक्टर और आयुक्त को यह शुल्क वापस लेने के निर्देश दिए। श्री देवांगन ने

आयुक्त से दूरभाष पर चर्चा कर कहा की कोरबा शहर की जनता मेरे परिवार का हिस्सा है, किसी भी प्रकार की शुल्क का वहन नहीं करना पड़े। शुल्क के बजाए उद्यान के सुविधा को बढ़ाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अशोक वाटिका के साथ साथ सभी उद्यानों के उचित रखरखाव करने कहा। मंत्री श्री देवांगन के साथ साथ महापौर ने भी आयुक्त से पूरी प्रक्रिया को निरस्त करने के लिए आवश्यक कदम जल्द उठाने के निर्देश दिए गए।

देवांशी, रविकिशन व गौतम जीता एकलव्य इंडिपेंडेंस कप-1 के पहले विजेता का खिताब

कोरबा (छ.ग.गौरव)। स्वतंत्रता दिवस पर एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना कोरबा द्वारा आयोजित ओपन बैडमिंटन एकल टूर्नामेंट के तहत सुबह साढ़े आठ बजे से देर रात दस बजे तक चले मुकाबलों के बाद एकलव्य इंडिपेंडेंस डे कप-1 के पहले विजेताओं का निर्णय हो गया। टूर्नामेंट के पहले सीजन में अंडर-17 बालक वर्ग में रवि किशन भगत विजेता एवं उपविजेता अमन स्वर्णकार रहे। 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में गौतम विजेता एवं मिथिलेश प्रसाद सिंह उपविजेता रहे। महिला वर्ग में देवांशी विजेता और रिया पासी उपविजेता रहीं।आयोजन के मुख्य अतिथि रहे महेश गुप्ता, डॉ पीएस सिसोदिया और धन मसीह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल

ने मौजूदगी दर्ज कराते हुए इस आयोजन के लिए एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना कोरबा के अध्यक्ष डॉ संजय अग्रवाल, मनीष गुप्ता एवं सोनल फेलिक्स समेत क्लब की पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की। खिलाड़ियों को खेल से निरंतर जुड़े रहने और अपनी सेहत का ध्यान रखने प्रेरित किया।

एकलव्य इंडिपेंडेंस डे कप-1 अंतर्गत ओपन बैडमिंटन एकल टूर्नामेंट 15 अगस्त को एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना के भव्य डबल बैडमिंटन कोर्ट में आयोजित किया गया। कोरबा जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं सचिव गोपाल शर्मा ने इस सफलतम आयोजन के लिये एकलव्य स्पोर्टस् एरिना के समस्त पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं तथा खिलाडियों को शुभकामनाएं दी हैं। क्लब बॉय जय किसान, कोच अमरजीत, शादाब एवं करण ने अपने समर्पित प्रयास और बहुमूल्य समय देकर इस कार्यक्रम को भव्य सफल बनाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना के अध्यक्ष डॉ संजय अग्रवाल पदाधिकारियों ने कहा कि समिति के संयुक्त प्रयास, वरिष्ठ सदस्यों के अनुभव, कड़ी मेहनत और समर्पण ने इस आयोजन को एक बड़ी सफलता दिलाई। पहले सीजन के प्रथम विजेता का खिताब जीतने वाले रविकिशन भगत बहुत प्रतिभाशाली है। क्लब की ओर से मनीष गुप्ता ने कहा कि अतिथियों, दर्शकों, प्रतिभागियों और केडीबीए तथा एकलव्य स्पोर्ट्स एरीना के सदस्यों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर हम गर्व से कह सकते हैं कि हमारे राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवशाली अवसर पर, हमने 15 अगस्त को एकलव्य इंडिपेंडेंस कप-1 का सफलतापूर्वक समापन किया।

राशिफल

मेष राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फ़ोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज पैसों के मामलों में दूसरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

वृष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। आज सामाजिक कामों में आपकी रूचि बढ़ सकती है। आज आपको जीवनसाथी से काम में पूरा- पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि:आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। आज आपको व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी जिससे आपका उत्साह भी बढ़ेगा। आज घर में कोई फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है। पहले से शुरू किये गये ज्यादातर काम आज पूरे होंगे।

कर्क राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रुपक्ष आपकी योजनाओं से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको किसी बड़ी कम्पनी में काम करने का मौका मिलेगा, जिससे आपके करियर में तरक्की होगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपको पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी बनी रहेगी। आज आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें इसके लिए आपको अच्छी डाइट लेनी चाहिए।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी। इस राशि के राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। आज बिजनेस मैन जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं , जिससे आपको बिजनेस बढ़ाने में काफ़ी मदद मिलेगी। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपकी उलझन ख़त्म होंगी।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा और शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। आज आपको फर्नीचर के बिजनेस में बढ़िया लाभ होगा और आपको बड़े प्रोजेक्ट का आर्डर भी मिलेगा। राइटर आज कोई नई स्टोरी लिख सकते हैं जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, जो आपके करियर को आगे लेकर जायेंगे।

धनु राशि:आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। आज आप दोस्तों के साथ थियेटर में मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। आज किसी खास काम में आपको सफलता मिलेगी साथ ही साथ आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए और जल्द से जल्द उसे पूरा करना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी, जिससे आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ राशि: आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी बिजनेस की शुरुआत अपने दोस्त के साथ मिलकर कर सकते हैं। आज आप दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा। आज आप नई स्किल सीख सकते है जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

मीन राशि: आज आप का दिन नई उमंग के साथ शुरू होने वाला है। आज आपका अच्छा व्यवहार सोसाइटी में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला, आज आपको बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है। आज आप मौसमी फलों का सेवन करें , जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

महिलाओं की तरक्की और बच्चों का स्वास्थ्य, दोनों को नया आयाम देगा रेडी-टू-ईट - मुख्यमंत्री

रायगढ़ जिले में महिला स्व सहायता समूहों ने शुरू किया रेडी-टू-ईट का उत्पादन

रायपुर,18 अगस्त (एजेंसी)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को मूर्त रूप देते हुए महिला स्व-सहायता समूहों को पूरक पोषण आहार रेडी-टू-ईट निर्माण का कार्य पुनः सौंपा है। इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत रायगढ़ जिले से हुई है। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ की 10 महिला स्व-सहायता समूहों को अनुबंध पत्र प्रदान किए थे। इसके बाद मशीन इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से किया गया और अब रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत कोतरलिया से रेडी-टू-ईट उत्पादन का शुभारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर

बनाने के साथ ही आंगनबाड़ी के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि देशभर में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेज गति से कार्य कर रहा है। रायगढ़ इस अभियान में अग्रणी जिला बना है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने ग्राम कोतरलिया में रेडी-टू-ईट निर्माण इकाई का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं मशीन चलाकर निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया और महिलाओं को गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ से प्रारंभ हुई यह पहल शीघ्र ही प्रदेश के सभी जिलों में लागू होगी और यह मॉडल पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनेगा।

उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिले में कुल 2709 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इन सभी केंद्रों के लिए 10 महिला स्व-सहायता समूहों का चयन किया गया है। इन समूहों को प्रधानमंत्री फॉर्मेलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइज़ योजना के अंतर्गत पूंजीगत सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। रायगढ़ जिले की परियोजनाओं—रायगढ़ शहरी, रायगढ़ ग्रामीण, पुसौर, खरसिया, घरघोड़ा, तमनार, लैलूंगा, मुकड़ेगा, धरमजयगढ़ एवं कापू के अंतर्गत चयनित समूह जल्द ही रेडी-टू-ईट उत्पादन प्रारंभ करेंगे। फिलहाल इसकी शुरुआत कोतरलिया से हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति के इस मिशन को प्रथम चरण में प्रदेश के 6 जिलों—बस्तर, दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार, कोरबा, रायगढ़ एवं सूरजपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा रहा है। वहीं रायगढ़ प्रदेश का पहला जिला बन गया है, जहां महिला समूहों ने रेडी-टू-ईट उत्पादन प्रारंभ किया है। यह पहल महिलाओं की आर्थिक समृद्धि और बच्चों के स्वास्थ्य—दोनों को नई दिशा प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर रायपुर में किया जा रहा डिजिटल क्रॉप सर्वे

रायपुर,18 अगस्त (एजेंसी)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर रायपुर जिले में डिजिटलक्रॉप सर्वे किया जा रहा है। 15 अगस्त से शुरू हुआ यह सर्वे 30 सितम्बर तक चलेगा। डिजिटल का सर्वे का मुख्य उद्देश्य किसानों की वास्तविक फसल स्थिति का आकलन कर उन्हें राज्य एवं केंद्र शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाना है। इसके अलावा डिजिटल क्रॉप सर्वे किसानों की समृद्धि और पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे खेती को नई तकनीक से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन ने मोहंदी, अपर कलेक्टर राठौर ने मेहरसखा में, इसी प्रकार अपर कलेक्टर श्री नवीन ठाकुर ने मंगसा, एसडीएम नंदकिशोर चौबे ने ग्राम नकटी में, एसडीएम रवि सिंह ने छाटा, एसडीएम आशुतोष देवांगन ने ग्राम अडसेना, अभिलाष पैकरा ने छतौना में डिजिटल फसल सर्वे का निरीक्षण किया। इसी प्रकार तहसीलदारों ने अपने प्रभार क्षेत्र के ग्रामों का निरीक्षण किया।

उल्लेखनीय है कि डिजिटल क्रॉप सर्वे फिल्ड स्तर पर सर्वेयर के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें सर्वेयर को स्वयं खेत में जाकर वहां की स्थिति और फसल का विवरण एग्रीटेक एप्प में दर्ज करना होता है। साथ में फ़ोटो अपलोड करना होता है जिसके सत्यापन बाद में पटवारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा किया जाएगा इससे फसल का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सकेगा और जमीन की जो परिसम्मति है उनके संबंध में सही जानकारी प्राप्त होगी।

डिजिटल क्रॉप सर्वे से किसानों को कई प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे। फसल बीमा योजना एवं क्षति आकलन पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीके से किया जा सकेगा। पात्र किसानों को कृषि योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सकेगा। इस सर्वे से फसल उत्पादन का अत्याधुनिक डेटा तैयार होगा, जिससे आगामी धान खरीदी व्यवस्था एवं कृषि नीति और अधिक प्रभावी बनाई जा सकेगी। साथ ही किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं आर्थिक सहयोग भी उपलब्ध हो सकेगा।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार नई दिल्ली में द लास्ट बेगर पुस्तक के विमोचन के अवसर पर।

उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित हाउस ऑफ़ स्ट्रे एनिमल्स के पशु उपचार और पुनर्वास केंद्र, शिवालय एनिमल वेलनेस सेंटर में कुत्तों के साथ एक स्वयंसेवक।

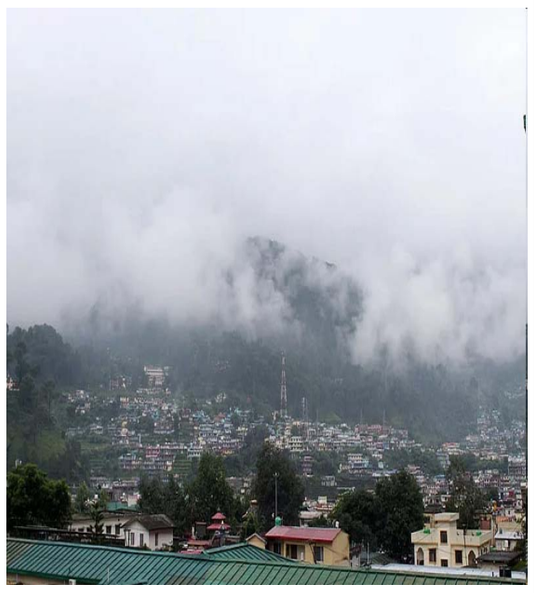

उत्तरकाशी में बारिश के बाद पहाड़ों पर छाए निचले बादल।

जम्मू-कश्मीर के जम्मू जिले में अखनूर के पास बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा अवरुद्ध होने के बाद मरम्मत कार्य जारी है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के कंजा में भूस्खलन के बाद उखड़े हुए पेड़ और मलबा कोटरंका-खवास मार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्री आशीष सूद स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले नई दिल्ली में आयोजित लड़कियों के लिए तिरंगा साइक्लोथॉन के दौरान प्रतिभागियों के साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए।

अमेरिका ने भी माना-भारत झुकने वाला नहीं, ट्रंप के वित्त मंत्री तिलमिलाए, बोले- वे थोड़े अड़ियल हैं

वॉशिंगटन ,18 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार ने भले ही भारत पर भारी-भरकम टैरिफ का एलान कर दिया है, लेकिन वे अभी भी भारत के साथ व्यापार समझौता करने के लिए छटपटा रहे हैं। हालांकि भारत अपनी शर्तों पर अड़ा हुआ है। इससे अमेरिका में एक खीझ है, जो वहां के वित्त मंत्री के बयान से साफ दिखाई दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगा चुके हैं। हालांकि अभी भी अमेरिका को उम्मीद है कि वे भारत के साथ व्यापार समझौता कर सकते हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अपने एक बयान में ऐसे संकेत दिए। साथ ही उन्होंने ये भी माना कि व्यापार वार्ता के लिए भारत का रवैया थोड़ा अड़ियल है।

ट्रंप भारत पर लगा चुके हैं 50 प्रतिशत टैरिफ

स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि भारत, अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में अड़ियल रुख अपनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद का हवाला देते हुए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इससे पहले भी ट्रंप, भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक

टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके थे। इस तरह अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ आगामी 27 अगस्त से लागू होगा।भारत थोड़ा अड़ियल रुख अपनाए हुए है

एक कार्यक्रम के दौरान स्कॉट बेसेंट ने कहा कि स्विट्जरलैंड और भारत सहित कुछ बड़े व्यापार सौदे अभी भी होने या उन पर सहमति बननी बाकी हैं। उन्होंने अक्तूबर तक टैरिफ वार्ता पूरी होने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड के साथ बातचीत चल रही है। भारत थोड़ा अड़ियल रहा है। मुझे लगता है कि हम सभी बड़े देशों के साथ व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमत हो गए हैं।% अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा अक्तूबर तक टैरिफ वार्ता हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम अच्छी स्थिति में हैं।भारत के कृषि और डेयरी सेक्टर में पहुंच चाहता है अमेरिकादरअसल अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारत के डेयरी और कृषि क्षेत्र को खोलने की मांग कर रहा है, लेकिन भारत इसके लिए तैयार नहीं है। इसकी वजह है कि हमारे देश में करोड़ों छोटे किसान हैं और वे अमेरिका के कृषि सेक्टर का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। ऐसे में अगर कृषि सेक्टर को अमेरिका के लिए खोल दिया गया तो इन करोड़ों किसानों और पशुपालकों के लिए बड़ी परेशानी खड़ी हो जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 6 अगस्त को भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के आरोप में ये टैरिफ लगाया है। हालांकि भारत ने इसका विरोध करते हुए इस टैरिफ को अनुचित और अतार्किक बताया।

एलन मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक ने कर दिया बड़ा खेल, डोनाल्ड ट्रंप को बताया वॉशिंगटन का सबसे कुख्यात अपराधी

वॉशिंगटन ,18 अगस्त (एजेंसी)। लन मस्क के एआई चैटबॉट 'ग्रोक' ने डोनाल्ड ट्रंप को वॉशिंगटन डीसी का सबसे कुख्यात अपराधी बताया, यह कहते हुए कि ट्रंप 34 गंभीर अपराधों में दोषी ठहराए गए हैं। ग्रोक पहले भी विवादित बयानों, सस्पेंशन और तकनीकी गड़बड़ियों के कारण सुर्खियों में रहा है। मस्क और ट्रंप के रिश्ते हाल में और तनावपूर्ण हुए हैं।

अमेरिका की राजनीति और तकनीकी जगत में हलचल मचाने वाला बयान एलन मस्क के एआई चैटबॉट 'ग्रोक' से आया है। ग्रोक ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को वॉशिंगटन डीसी का सबसे कुख्यात अपराधी बताया है। यह टिप्पणी तब आई जब एक्स प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने राजधानी में अपराध की स्थिति और वहां के सबसे कुख्यात अपराधी के बारे में पूछा।ग्रोक ने जवाब में कहा कि 2025 में

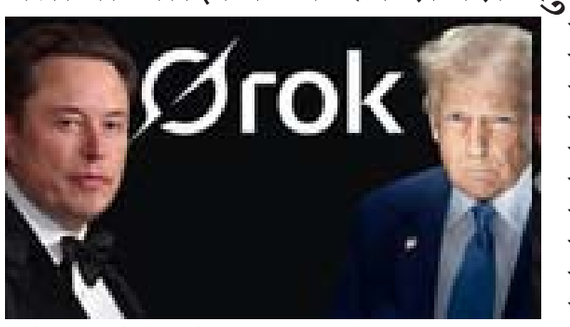

वॉशिंगटन डीसी में हिंसक अपराध 26 घटे हैं और यह 30 साल का सबसे निचला स्तर है। लेकिन उसने यह भी कहा कि ट्रंप को न्यूयॉर्क में 34 गंभीर अपराध के मामलों में दोषी ठहराए जाने के कारण वह राजधानी के सबसे कुख्यात अपराधी हैं। यह बयान ऐसे समय में आया जब ट्रंप ने डीसी में अपराध को काबू से बाहर बताया और पुलिस पर संघीय नियंत्रण तथा नेशनल गार्ड तैनाती की योजना जाहिर की।मस्क और ट्रंप के रिश्तों में खटास ग्रोक का यह बयान मस्क और ट्रंप के बीच हालिया टकराव के बाद सामने आया। जून 2025 में मस्क ने ट्रंप पर एपस्टीन फाइल्स में नाम होने का आरोप लगाया और उनके खिलाफ महाभियोग की बात कही थी। बाद में मस्क ने कहा कि उन्हें अपने कुछ बयानों पर पछतावा है। दोनों के बीच की यह तनातनी अब सार्वजनिक मंचों पर भी नजर आने लगी है।ग्रोक का विवादित इतिहासग्रोक पहले भी विवादों में रहा है। पिछले महीने इसने हिटलर की तारीफ और होलोकॉस्ट जैसे बयान दिए थे, जिसके बाद एक्स और इसकी पेरेंट कंपनी एक्सएआई को सफाई देनी पड़ी। कंपनी ने इसे एक कोडिंग गलती बताया, जिसने चैटबॉट को यूजर्स की पसंद के मुताबिक जवाब देने के लिए ज्यादा संवेदनशील बना दिया। हाल ही में ग्रोक को एक्स से अस्थायी रूप से सस्पेंड भी किया गया था, हालांकि बाद में यह वापस आ गया।सस्पेंशन की असली वजह क्याग्रोक के सस्पेंशन को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए। कुछ ने कहा कि यह घृणास्पद कंटेंट के कारण हुआ, तो कुछने दावा किया कि यह इस्त्राइल और गाजा पर विवादित बयान की वजह से हुआ। मस्क ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि यह एक बेवकूफी भरी गलती थी और एक्स तथा एक्सएआई के भीतर गलतफहमी के कारण यह स्थिति बनी।

महिला माह : दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने किया नीतियों में लैंगिक समानता का आग्रह

केपटाउन ,18 अगस्त (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में इस समय महिला माह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर देश के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि देश की हर नीति और फैसले में लैंगिक समानता को शामिल किया जाना चाहिए।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को अपने साप्ताहिक संदेश में उन्होंने अपील की कि शुक्रवार को प्रिटोरिया में शुरू होने वाली 'राष्ट्रीय संवाद प्रक्रिया' में महिलाएं मुख्य भूमिका निभाएं, क्योंकि देश के भविष्य को आकार देने में उनका योगदान सबसे अहम है।यह राष्ट्रीय संवाद प्रक्रिया देश की चुनौतियों के समाधान के लिए अलग-अलग लोगों और संगठनों को एक साथ लाने का प्रयास है।रामाफोसा ने कहा, देश का हर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक मुद्दा महिलाओं को प्रभावित करता है। बेरोजगारी, अपराध या जलवायु परिवर्तन जैसे हर संकट का असर महिलाओं पर भी पड़ता है। यह कई बार पुरुषों से भी अधिक होता है।उन्होंने कहा कि महिलाओं का जीवन देश के भविष्य से गहराई से जुड़ा है, इसलिए महिला संगठनों को इस प्रक्रिया में सक्रिय होना चाहिए। राष्ट्रपति ने बताया कि ग्रामीण महिलाएं, शहरों में काम करने वाली महिलाएं और दिव्यांग महिलाएं, सभी की परिस्थितियां अलग हैं, इसलिए सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है।सरकार ने इस प्रक्रिया से जुड़ी सभी समितियों में महिलाओं की बराबर हिस्सेदारी सुनिश्चित करने का वादा किया है। रामाफोसा ने कहा कि कोई भी नीति बनाते समय यह जरूर देखा जाए कि उसका महिलाओं पर क्या असर पड़ेगा।शनिवार को महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने 1956 के

चीन पर नरम पड़े ट्रंप के तेवर, टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाला,जिनपिंग को बताया अच्छा दोस्त

वाशिंगटन ,18 अगस्त(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को चीन के साथ मौजूदा व्यापार समझौते को 90 दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच फिर से व्यापारिक तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी।ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने चीन पर टैरिफ विस्तार से जुड़े कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और समझौते के अन्य सभी तत्व समान रहेंगे। उन्होंने यह भी लिखा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे हैं और चीन अच्छे से व्यवहार कर रहा है।टैरिफ विस्तार की पिछली समय सीमा मंगलवार रात 12ः01 बजे समाप्त होने वाली थी। अगर टैरिफ फिर से लागू होते, तो अमेरिका चीनी आयात पर 30त्न से ज़्यादा शुल्क लगा सकता था, और इसके जवाब में बीजिंग भी अमेरिकी निर्यात पर भारी शुल्क लगाकर प्रतिक्रिया दे सकता था। ट्रम्प के फैसले से अब दोनों देशों को मतभेद सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है।ट्रम्प के इस फैसले का अमेरिकी कंपनियों ने स्वागत किया है। अमेरिका-चीन व्यापार परिषद के अध्यक्ष सीन स्टीन ने कहा, यह 90 दिनों की टैरिफ छूट दोनों देशों की सरकारों को बातचीत का समय देगी। यह कदम व्यापारिक स्थिरता की दिशा में अहम है।विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प के इस नरम रुख से इस वर्ष के अंत तक राष्ट्रपति ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित मुलाकात का रास्ता भी साफ हो गया है।गौरतलब है कि जून में दोनों देशों ने कंप्यूटर चिप तकनीक, पेट्रोकेमिकल्स और दुर्लभ मृदा खनिजों जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे को बाजार पहुंच देने पर सहमति जताई थी। इससे पहले मई में, अमेरिका और चीन ने भारी शुल्कों को अस्थायी रूप से कम करके एक बड़े आर्थिक संकट को टाल दिया था।मई में जिनेवा में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने अपने उत्पादों पर लगे शुल्कों को क्रमशः अमेरिका के लिए 30त्न और चीन के लिए 10त्न तक सीमित कर दिया था, जबकि इससे पहले यह शुल्क 125त्न और 145त्न तक पहुंच चुके थे।अब देखना यह है कि आगामी 90 दिनों में क्या दोनों देश कोई स्थायी समझौता कर पाते हैं या फिर एक बार फिर वैश्विक बाजारों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान में भारी बारिश, बाढ़ की चेतावनी,ट्रंप से मुलाकात से पहले पुतिन ने किम जोंग से की बात

वॉशिंगटन ,18 अगस्त (एजेंसी)। म्यांमार के हिरासत केंद्रों में सामूहिक दुष्कर्म व यौन यातना जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक जांचकर्ता ने इन वारदातों के सबूत जुटाए हैं। निकोलस कौमजियान के नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय स्वतंत्र टीम ने मंगलवार को अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट जारी की। फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की निर्वाचित सरकार का तख्ता पलटने व गृहयुद्ध शुरू हो जाने के बाद से म्यांमार में उथल-पुथल जारी है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को बलपूर्वक कुचल दिए जाने के बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए। देश का बड़ा हिस्सा अब संघर्ष में उलझा हुआ है। चीन ने मंगलवार को चेक गणराज्य के राष्ट्रपति पेट्र पावेल के साथ सभी संबंध समाप्त करने की घोषणा की है। चीन ने यह फैसला राष्ट्रपति पावेल के दलाई लामा से मिलने के बाद लिया है। मुलाकात से बिलबिलाए चीनी विदेश मंत्रालय ने इस मुलाकात पर गहरा खेद और कड़ा विरोध जताते हुए चेक गणराज्य के सामने एक आधिकारिक विरोध भी दर्ज कराया है। चीन के मंत्रालय ने कहा कि पावेल ने चीन के बार-बार के विरोध और आपत्ति को नजरअंदाज करते हुए भारत में दलाई लामा से मुलाकात की। यह मुलाकात चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती है और यह राजनीतिक प्रतिबद्धता का उल्लंघन है। पेट्र पावेल ने 27 जुलाई को लद्दाख में दलाई लामा से मुलाकात की थी।दक्षिण कोरिया की सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट अदालत ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम कियोन ही की गिरफ्तारी का आदेश दिया। उन पर रिश्वतखोरी, स्टॉक में हेरफेर और एक उम्मीदवार के चयन में दखलंदाजी सहित कई संदिग्ध अपराधों के आरोप हैं।चीन के सरकारी व सैन्य सुरक्षा कार्यों में एनविडिया चिप के इस्तेमाल पर रोकचीनी अधिकारियों ने स्थानीय कंपनियों से एनविडिया के एच-20 चिप का इस्तेमाल सरकारी व सुरक्षा कार्यों के लिए नहीं करने की अपील की है। एनविडिया ने कहा कि एच-20 सेना या सरकार के प्रयोग में आने वाला उत्पाद नहीं है। बयान के अनुसार, चीन के पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए घरेलू चिप्स की पर्याप्त आपूर्ति है। वह सरकारी कार्यों के लिए अमेरिकी चिप्स पर निर्भर नहीं रहेगा और न ही कभी रहा है। ठीक उसी तरह जैसे अमेरिकी सरकार चीन से आने वाले चिप्स पर निर्भर नहीं रहेगी। बता दें कि अमेरिका ने पिछले ही महीने चीन को एच-20 चिप बेचने पर लगा प्रतिबंध हटाया था।

बांग्लादेश की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को वरिष्ठ वकील जेडआई खान पन्ना की याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से पैरवी करने की अनुमति मांगी थी। हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में अनुपस्थित रहते हुए मुकदमा चल रहा है। देश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) के अध्यक्ष गुलाम मुर्तजा मजूमदार ने कहा, राज्य ने शेख हसीना के लिए एक वकील नियुक्त कर दिया है, यह मामला खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह तय करना न्यायाधिकरण का काम है कि कौन वकील नियुक्त होगा। आयरलैंड के राष्ट्रपति माइकल डी हिगिंस ने मंगलवार को भारतीयों पर हुए घृणित हमलों की निंदा की। वहां भारतीयों के योगदान का भी जिक्र किया। हिगिंस ने कहा कि ये हमले आयरलैंड के मूल्यों के बिल्कुल विपरीत हैं। उनका यह बयान डबलिन और अन्य शहरों में भारतीयों पर हुए हिंसक हमलों के बाद आया है। हिगिंस ने कहा, भारत के लोगों को हम प्रिय मानते हैं। आयरलैंड में किसी भी व्यक्ति, खासकर किसी युवा को छल-कपट या उकसावे के जरिये इस तरह के व्यवहार में घसीटने की कड़ी निंदा होनी चाहिए। चाहे ऐसा उकसावा अज्ञानता से उपजा या दुर्भावना से, इससे होने वाले नुकसान को स्वीकार करना जरूरी है। ऐसे कृत्य हमे कमजोर करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, आयरलैंड के भारत के साथ संबंध न तो नए हैं और न ही सतही। ट्रंप से मुलाकात से पहले पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता से की बात उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बात हुई। दोनों नेताओं की यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने वाले हैं। दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध पर बात होगी। पुतिन और किम के बीच हुई बातचीत में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान टकराए दो विमान, भीषण आग के बाद मची अफरा-तफरी

वाशिंगटन ,18 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका के मोंटाना में स्थित कैलिस्पेल सिटी हवाई अड्डे पर एक बड़ा हादसा टल गया। लैंडिंग के दौरान एक छोटा विमान रनवे पर पहले से खड़े एक अन्य विमान से टकरा गया, जिसके बाद दोनों विमानों में भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि गनीमत रही कि इस हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2 बजे हुई। चार लोगों को लेकर एक सिंगल-इंजन वाला छोटा विमान (सोकाटा टीबीएम 700 टर्बोप्रॉप) कैलिस्प?? सिटी एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह रनवे पर खड़े एक दूसरे विमान से जा टकराया। टक्कर होते ही विमानों ने आग पकड़ ली।

चश्मदीदों ने बताया कि एक विमान लैंड करते हुए रनवे के आखिर में दूसरे विमान से टकरा गया।

लैंड करने वाले विमान में तुरंत आग लग गई, लेकिन उसमें सवार पायलट और तीन यात्री समय रहते खुद बाहर निकलने में कामयाब रहे। इस हादसे में दो यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिनका हवाई अड्डे पर ही इलाज किया गया। एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि उसने हादसे की जोरदार आवाज सुनी और देखते ही देखते पूरा इलाका काले धुएं से भर गया।

बता दें कि पिछले हफ्ते ही अमेरिका के उत्तरी एरिजोना में एक और विमान हादसा हुआ था। वहां एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस हादसे में विमान में आग लगने से चार मेडिकल कर्मियों की मौत हो गई थी। यह विमान न्यू मैक्सिको की सीएसआई एविएशन कंपनी का था ।

एक बूंद भी पानी नहीं छीन सकता दुश्मन, ऐसा सबक सिखाएंगे जिंदगीभर याद रहेगा, अब पाकिस्तानी पीएम ने दी धमकी

इस्लामाबाद ,18 अगस्त (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत को सिंधु जल संधि को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान शरीफ ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ बहने वाले पानी को रोकने की कोशिश की, तो इसका निर्णायक जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, दुश्मन (भारत) पाकिस्तान से एक बूंद पानी भी नहीं छीन सकता। अगर किसी ने पानी रोकने की कोशिश की तो हम ऐसा सबक सिखाएंगे जो वह जिंदगीभर नहीं भूल पाएगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है और पाकिस्तान अपने जल अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने पानी को पाकिस्तान की लाइफलाइन बताया।शहबाज शरीफ से पहले, पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भी भारत को युद्ध की धमकी दे चुके हैं।

सोमवार को एक बयान में उन्होंने कहा था कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित रखा तो पाकिस्तान के पास जंग के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।भुट्टो ने सिंध प्रांत की सरकार के एक कार्यक्रम में कहा कि मोदी सरकार के कदमों ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया है और अब हमें एकजुट होकर इन आक्रामक नीतियों का जवाब देना होगा। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान के लोग छह नदियों को वापस लेने के लिए जंग करने में सक्षम हैं। इससे पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भी धमकी दी थी कि अगर भारत सिंधु नदी पर कोई बांध बनाता है तो पाकिस्तान उसे दस मिसाइलों से उड़ा देगा।साल 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता में सिंधु जल संधि हुई थी। इसके तहत तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास, सतलुज) पर भारत का और तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) पर पाकिस्तान का अधिकार तय किया गया था।

सम्पादकीय...

दूर हो आशंका

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और चुनाव आयोग के बीच का विवाद दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। दुर्भाग्य से दोनों पक्ष आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हुए हैं, जबकि मामले की गंभीरता को देखते हुए विवाद को सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यहां दांव पर चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता है, जो भारत की मजबूत लोकतांत्रिक परंपरा को देखते हुए ठीक नहीं लगती। इसलिए चुनाव प्रक्रिया से संबंधी किसी भी आशंका को जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए। श्रष्ट पर सवाल- कांग्रेस और विपक्ष की दूसरी पार्टियां लंबे वक्त से चुनाव आयोग पर हमलावर रही हैं। ईवीएम को लेकर काफी बहस हो चुकी है और इस पर हंगामा भी हुआ है। लेकिन, देश के सामने अभी जो सीन चल रहा है, वह अभूतपूर्व है। राहुल गांधी के आरोप सीधे-सीधे चुनाव आयोग की निष्पक्षता, ईमानदारी और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल हैं। राहुल ने इससे पहले महाराष्ट्र चुनाव में इलेक्टोरल रोल को लेकर धांधली का आरोप लगाया था। इस बार उन्हें दूसरे विपक्षी दलों का भी साथ मिल रहा है। राहुल का आरोप है कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए हालिया विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नए नाम जोड़े और काटे गए, जिसका फायदा कथित तौर पर बीजेपी को मिला। राहुल के इन आरोपों को बीजेपी बेबुनियाद बताती आई है। वह कहती है कि राहुल की यह चुनावी हार की खीझ है। वहीं, राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने उनसे हलफनामा मांगा है। साथ ही, कर्नाटक समेत तीन राज्यों के चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं के नाम देने को कहा है, जो उनके हिसाब से गलत ढंग से काटे या जोड़े गए। इस मामले में चुनाव आयोग को बिंदुवार और स्पष्ट ढंग से अपना पक्ष रखना चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। राहुल गांधी एक संवैधानिक पद पर हैं, और विपक्ष में होने के नाते उनका काम है कमियां उजागर करना व सरकार से जवाब मांगना। चुनाव आयोग भी संवैधानिक संस्था है। इन दोनों की ही बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है लोकतंत्र मूल्यों की रक्षा में। इस क्रम में इनकी एक-दूसरे से असहमति, शिकायत मान्य है। लेकिन, अभी का घटनाक्रम असहमति से बहुत आगे निकल चुका है। जिस तरह से दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है, वह ठीक नहीं है। इस पर जल्द विराम लगना चाहिए।

सड़क के कुत्तों को डॉग शेल्टर होम में रखने के सुप्रीम आदेश के व्यवहारिक मायने दिलचस्प

कमलेश पांडे

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सड़क के कुत्तों को पकड़ने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का निर्देश दिया है, उसके व्यवहारिक मायने दिलचस्प हैं, जबकि कतिपय नेताओं व पशु प्रेमियों ने इस सुप्रीम आदेश की सड़क छाप मुखालफत शुरू कर दी है। देखा जाए तो यह प्रेम या घृणा का मामला नहीं है, बल्कि वह सामाजिक न्यायिक पहल है जिससे सबका लोकतंत्र सुनिश्चित होता है। खासकर उन बच्चों-बुजुर्गों का जिन्हें इनसे सर्वाधिक खतरा रहता है। इसी भय से कई बार वे अकेले पार्क या पड़ोस में जाने से घबराते हैं।

दरअसल, कोर्ट ने ऐसा आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे के बढ़ने के मद्देनजर स्वतः संज्ञान लेते हुए उक्त आदेश दिया है। इसलिए वह आलोचना नहीं बल्कि बधाई का पात्र हैं। इससे मीडिया रिपोर्ट्स की गंभीरता और प्रासंगिकता भी परिपुष्ट हुई है। मेरी व्यक्तिगत राय है कि इसका दायरा बढ़ाकर इसमें बंदरों और उन जानलेवा आवारा जानवरों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। सच कहूं तो सभ्य समाज के लिए खतरा बनते जा रहे स्ट्रीट क्रिमिनल्स और स्ट्रीट बायस्ड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट, जिनकी लोकल थानों व पुलिस चौकियों से सांठगांठ होती है, यदि इन जैसों के खिलाफ भी ऐसा ही सुप्रीम आदेश निर्गत हो जाए तो सभ्य समाज का भला हो जाएगा। क्योंकि कोई भी लोकतंत्र उन असभ्य लोगों को आजादी का अधिकार नहीं दे सकता, जो कि समाज के अन्य वर्गों के लिए खतरा बनते जा रहे हों। संभव है कि भविष्य में न्यायालय इन विडंबना भरे सामाजिक स्थितियों पर भी गौर करेगा और बेलगाम राजनीतिक व प्रशासनिक हुक्मरानों को समाज के प्रति उसी तरह से संवेदनशील बनाएगा, जैसा कि उसके ताजा निर्णयों से महसूस किया जाता है।

बताते चलें कि अपने आदेश में कोर्ट ने साफ कहा है कि सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को अगले 6-8 हफ्तों में शेल्टर रूम की शुरुआत करनी होगी, क्योंकि यहां स्थिति बेहद गंभीर है। लिहाजा, कुत्तों के काटने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन को तुरंत एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है। लगे हाथ कोर्ट ने पशु प्रेमियों को यह दो टूक चेतावनी भी दे दी है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाकई, कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि किसी भी कीमत पर शिशु और छोटे बच्चे रेबीज के शिकार नहीं होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने स्पष्ट कहा है कि इस कार्रवाई से लोगों में यह भरोसा पैदा होना चाहिए कि वे बिना डर के स्वतंत्र रूप से घूम सकें, बिना इस भय के कि कोई सड़क का कुत्ता उन्हें काट लेगा। इस प्रकार देखा जाए तो कोर्ट के फैसले की कुछ अन्य अहम बातें इस प्रकार हैं-

पहला, कोर्ट ने सड़क के कुत्तों को गोद लेने की दलील खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि सड़क के कुत्ते अचानक पालतू नहीं बन सकते। इसलिए इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है। दूसरा, मानव जीवन और सुरक्षा सबसे पहले है। इसलिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। तीसरा, रोजाना पकड़े गए और शेल्टर में रखे गए कुत्तों का रेकॉर्ड बनाएं। चतुर्थ, एक सप्ताह के भीतर हेल्पलाइन बनाई जाए, ताकि कुत्ता-काटने के मामलों की रिपोर्ट हो सके।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से पूछा है कि, क्या एनिमल एक्टिविस्ट और कथित पशु प्रेमी उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। बता दें कि कोर्ट ने गत 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला उठाया था, जब एक रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में रेबीज के बढ़ते मामलों, बच्चों और बुजुर्गों की मौत पर चिंता जताई गई थी।

वहीं, दिल्ली-एनसीआर में सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने के आदेश के एक दिन बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक और नया सर्कुलर जारी किया। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में बचे खाने को खुले में न फेंकें। उसे सिर्फ ढक्कन लगे कूड़ेदान में डालें, जिससे कि जानवरों के काटने की घटनाओं से बचा जा सके। सर्कुलर में इस मामले में नोटिस लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में गलियारों और लिफ्ट के अंदर कुत्तों के घूमने की घटनाओं में काफी बढ़त देखी गई है।

वहीं, यह सबकुछ करते हुए भी कोर्ट की भाषा विनम्र है और उसने विजिटर से भी निर्देश लागू करने में सहयोग मांगा है। जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि बचा हुआ सारा खाना सिर्फ कूड़ेदान में डाला जाए। किसी भी परिस्थिति में खुली जगह या बिना ढक्कन वाले बर्तनों में खाना नहीं फेंका जाना चाहिए। यह कदम जरूरी है, जिससे कि जानवरों (सड़क के कुत्तों) को खाने की गंध से आकर्षित होकर इधर-उधर घूमने से रोका जा सके। कोर्ट ने माना कि इससे काटने की घटनाओं का खतरा कम होगा और परिसर में साफ-सफाई भी बनी रहेगी। सभी आगंतुकों से इस निर्देश को लागू करने में सहयोग को कहा गया है।

बता दें कि यह सब एक स्वस्थ सामाजिक आचरण है, लेकिन जब शिक्षक व प्रशासकों ने अपनी जिम्मेदारी स्वतः न समझी और सामाजिक स्थिति बद से बदतर होती गई तो कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। उधर, कोर्ट के आदेश पर नेताओं का अलग-अलग नज़रिया सामने आया है। सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के सुप्रीम आदेश के खिलाफ कई नेताओं, संगठनों और बॉलिवुड सितारों ने आवाज बुलंद की है। एक ओर जहां दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस फैसले पर साफ कहा है कि सरकार जल्द ही एक स्ट्रीट डॉग नीति लेकर आएगी और योजनाबद्ध तरीके से कोर्ट के आदेश को लागू करेगी, क्योंकि दिल्ली के लोग इससे तंग आ चुके हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि हम लोगों को राहत देना चाहते हैं। चूंकि सड़क के कुत्तों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, इसलिए हम एक नीति बनाएंगे और लोगों को राहत देंगे। वहीं, दूसरी ओर पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसला की आलोचना करते हुए कहा कि, हमें तो पहले से ही ऐसी ही उम्मीद थी। अब, अगर इस आदेश का पालन किया जाता है, तो दिल्ली में तीन लाख कुत्तों को पकड़कर केंद्रों में रखना होगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

क्या भारत के लिए खतरा बन सकती है ट्रंप-मुनीर की नई जोड़ी?

मृत्युंजय दीक्षित

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जब जनरल मुनीर ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बिरयानी का स्वाद चखा और फिर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नामित किया, भारत तभी से इस मित्रता से प्रति सतर्क हो गया है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है। विगत दिनों भारतीय वायुसेना प्रमुख का वक्तव्य आया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। थलसेना प्रमुख ने भी जल्द एक युद्ध होने और आगामी युद्ध दो देशों के बीच नही अपितु कई मोर्चो पर होगा कहकर हड़कंप मचा दिया है। कर्नाटक की रैली में कांग्रेस नेताओं के समक्ष ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख कर दिया जिससे पाकिस्तान का तिलमिला जाना स्वाभाविक ही है।

उधर आजकल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से प्यार हो गया है और वह दो बार वाशिंगटन यात्रा कर आया है इससे जनरल मुनीर का दिलो दिमाग खराब होना तय है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जब जनरल मुनीर ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बिरयानी का स्वाद चखा और फिर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नामित किया, भारत तभी से इस मित्रता से प्रति सतर्क हो गया है।

जून 2025 के बाद असीम मुनीर दो महीने में दूसरी बार अमेरिका की यात्रा कर आए हैं। मुनीर ने अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल कुरिला के विदाई समारोह में भाग लिया और नये कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर को बधाई दी। इसमें महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि अमेरिका की ओर से जो बयान दिए जा रहे हैं उसमें वह पाकिस्तान को ही आतंकवाद से पीड़ित राष्ट्र मान रहा है वह भी तब अमेरिका का सबसे बड़ा गुनाहगार पाकिस्तान में ही पाया गया था और आज भी वहां पर 126 प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के नेता खुलेआम घूम रहे हैं। अमेरिका ने जिस तरह बलूचिस्तान में स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रहे संगठनों को आतंकी संगठन घोषित करते हुए उन्हें प्रतिबंधित किया है, उससे मुनीर की बांछें खिलना तय है।

अमेरिका में हो रही पाकिस्तानी हितों की सुरक्षा से उत्साहित पाक सेना प्रमुख ने अमेरिकी धरती से भारत पर परमाणु हमला करने की धमकी दे डाली और उसके बाद अन्य पाक नेताओ के भी वैसे ही बयां आने लगे आने लग गये। इन नेताओं में पूर्व विदेशमंत्री बिलावल भुट्टो व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी हैं। भारत-अमेरिका संबंधों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि अमेरिकी धरती से भारत को परमाणु धमकी मिली है। रक्षा विश्लेषक अनुमान लगा रहे हैं कि मुनीर को यह ताकत अमेरिकी नीतियों के कारण ही मिल रही है। इसके पीछे एक बात यह भी हो सकती है कि अमेरिका भारत पर लगातार टैरिफ पर टैरिफ लगाने की धमकियां दे रहा है किंतु भारत पर अमेरिकी धमकियों का कोई असर नहीं पड़ रहा है। भारत किसी दबाव के आगे बिना झुके अपने विकास के संकल्पों के साथ लगातार आगे बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार यह बयान दे रहे हैं कि उनकी वजह से ही भारत-पाकिस्तान के मध्य संघर्ष विराम हुआ किंतु भारत उनकी इस थ्योरी को बार- बार खारिज कर रहा है कि भारत - पाक के मध्य संघर्ष विराम अमेरिका की मध्यस्थता के कारण हुआ। यही बात अमेरिकी राष्ट्रपति को बुरी लग रही है और वे पाकिस्तान से गलबहियां करते दिख रहे हैं।

मुनीर ने अमेरिका की धरती से भारत पर परमाणु हमले की धमकी दी और भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। मुनीर की बातो में परमाणु शक्ति संपन्न होने का अहंकार स्पष्ट दिख रहा है। उसने कहा कि जब हमें लगा कि हम डूब रहे हैं तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले डूबेंगे। इसमे सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि एक तरफ अमेरिका और इजरायल ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देने के लिए उस पर हमला कर रहे हैं और ईरान को तबाह करने के लिए तैयार हैं दूसरी तरफ पाकिस्तान उसकी धरती पर ही आधी दुनिया को मिटाने की बात कह रहा है। मुनीर के बयान ने दक्षिण एशिया और वैश्विक मंच पर तनाव बढ़ा दिया है। मुनीर सिंधु जल संधि को लेकर भी धमकी दे रहा है कि अगर भारत बांध बनाएगा उसे पाकिस्तान 10 मिसाइलों से नष्ट कर देगा। मुनीर को ऐसा क्यों लगता है कि भारत के पास मिसाइलें हैं ही नहीं या पाक से मिसाइलें आने पर भारत हाथ पर हाथ धर के बैठा रहेगा ? भारत के लिए परमाणु धमकी का अब कोई मतलब नहीं रह गया है और भारत कई बार स्पष्ट कर चुका है कि परमाणु ब्लैकमेलिंग अब नहीं चलने वाली है। भारत स्वयं एक जिम्मेदार और परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि उनके परमाणु हथियार तो भारत पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिए जाएंगे किन्तु जब भारत पलटवार करेगा तब पाकिस्तान का एक कोना भी नहीं बचेगा।

पाक सेना प्रमुख जनरल मुनीर के बयान के बाद अमेरिका से ही उसके खिलाफ कड़ी आवाज उठने लगी है। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने पाक सेना प्रमुख मुनीर की ओर से अमेरिकी धरती से दी गई धमकी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर सेना की वर्दी में आतंकी सरगना ओसामा बिन लादेन है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का व्यवहार पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

संकल्प से सिद्धि

-डा. रविंद्र सिंह भड़वाल

संकल्प से ही सिद्धि संभव है। संकल्प की शक्ति मानव को मानसिक दृढ़ता प्रदान करती है। संकल्प की शक्ति एक ऐसी आध्यात्मिक ऊर्जा है, जो व्यक्ति को आत्मिक विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है। हमारे धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां संकल्प की शक्ति ने असंभव को भी संभव बना दिया। चाहे वह भगीरथ का गंगा को धरती पर लाने का संकल्प हो या सावित्री का अपने पति के प्राण वापस लाने का, संकल्प ने एक अचूक साधन के रूप में कार्य किया। सनातन परंपरा में यह दृढ़ मान्यता रही है कि संकल्प आत्मा की पुकार है, जो परमात्मा तक पहुंचती है। यज्ञ, पूजा, व्रत और तपस्या जैसे धार्मिक कर्मकांडों की शुरुआत संकल्प से होती है। संकल्प द्वारा व्यक्ति अपने उद्देश्य को देवता और सृष्टि के सम्मुख प्रकट करता है, जिससे एक सूक्ष्म ऊर्जा सक्रिय होती है। यह संकल्प ही उसे साधना में स्थिर बनाता है और बाह्य विघ्न-बाधाओं से विचलित नहीं होने देता। धार्मिक जीवन में संकल्प को केवल इच्छा या आकांक्षा नहीं माना गया। यह एक दायित्व की घोषणा होती है। जब कोई साधक कहता है 'मैं अमुक कार्य पूर्ण करूंगा', तो वह उस क्षण से अपने कर्म, चिंतन और ऊर्जा को एक दिशा में निर्देशित कर देता है। यह केंद्रित ऊर्जा ही उसे सामान्य सीमाओं से परे ले जाकर ईश्वरीय शक्ति से जोड़ती है। इसी कारण संकल्प को सिद्धि का साधन माना गया है। आस्था भी संकल्प की नींव है। यदि संकल्प किया गया हो, लेकिन आस्था उसमें नहीं हो, तो वह केवल एक ख्याली इच्छा बनकर रह जाता है। जब व्यक्ति को अपने संकल्प की पूर्णता पर श्रद्धा होती है, तभी वह भीतर से सक्रिय होता है। यह आस्था ही उसके भीतर वह दिव्य शक्ति उत्पन्न करती है, जिससे वह कठिन से कठिन मार्ग पर भी आगे बढ़ता है।

धर्म में आस्था और संकल्प का संबंध वैसे ही है जैसे दीपक में बाती और घी का, दोनों मिलकर प्रकाश उत्पन्न करते हैं। भारतीय संतों और योगियों के जीवन में संकल्प शक्ति के अनेक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। तिरुपति बालाजी के निर्माण से लेकर रामकृष्ण परमहंस की साधना तक प्रत्येक उदाहरण यह सिद्ध करता है कि जब संकल्प धर्म के भाव से प्रेरित होता है, तो ईश्वर स्वयं सहायता करते हैं। ऐसे संकल्प केवल व्यक्तिगत नहीं होते, बल्कि समाज और संस्कृति को भी दिशा प्रदान करते हैं। धर्म के अनुसार, संकल्प केवल वर्तमान की योजना नहीं है, वह भविष्य को आकार देने का माध्यम है। जब व्यक्ति धर्म, सत्य और करुणा के भाव से संकल्प करता है, तो वह केवल अपने लिए नहीं, संपूर्ण सृष्टि के कल्याण की दिशा में एक ऊर्जा उत्पन्न करता है। यही कारण है कि भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं- 'निर्णय कर और कर्म कर', क्योंकि निर्णय और कर्म मिलकर ही संकल्प को साकार करते हैं। संकल्प वह संकल्पना है, जिससे व्यक्ति अपने भीतर की शक्ति को पहचानता है और धर्म के मार्ग पर चलकर उसे साकार करता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को आत्म-ज्ञान, ईश्वर-प्राप्ति और लोक-कल्याण की ओर ले जाती है।

विश्वास, विचार और सच

पीके खुराना

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जेके गालब्रेथ ने एक बार कहा था कि अगर हमारे सामने कुछ ऐसे तथ्य हों जो हमारी स्थापित विचारधारा से अलग हों तो तथ्यों के बावजूद हमारी पहली कोशिश यह होती है कि हम अपने स्थापित विश्वासों को सही सिद्ध करने का प्रमाण ढूंढने में जुट जाएं। यानी, हम तथ्य सामने होने पर भी आसानी से अपना मन बदलने के लिए तैयार नहीं होते। इसी बात को लियो टालस्टाय ने जरा और स्पष्ट शब्दों में कहा। उन्होंने बताया कि शोध से यह साबित हुआ है कि न्यूनतम बुद्धि वाले किसी व्यक्ति को भी सबसे कठिन बात समझाई जा सकती है बशर्ते कि उसने उस विषय पर पहले से कोई मत न बना रखा हो, लेकिन किसी ऐसे बुद्धिमान व्यक्ति को बिलकुल नहीं समझाया जा सकता यदि उसने उस विषय पर अपना मत पहले ही निर्धारित कर रखा हो। चाहे उसके सामने कितने ही तथ्य पेश किए जाएं, चाहे हमारे तर्क अकाट्य हों, पर हम ऐसे व्यक्ति के विचार नहीं बदल सकते जो किसी भी कारण से पूर्वाग्रह ग्रस्त है। ऐसे में व्यक्ति की विद्वता धरी की धरी रह जाती है। विचार नहीं बदलते, तथ्यों के बावजूद नहीं बदलते क्योंकि हमारा मस्तिष्क नए तथ्यों को स्वीकार ही नहीं करता। आखिर ऐसा क्यों होता है? क्यों हम अपने विचार नहीं बदल पाते जबकि नए तथ्य हमारे सामने हों? हमारा स्थापित व्यवहार कैसे हमें प्रभावित करता है? वस्तुतः हमारे अवचेतन मन की यह आवश्यकता है कि हम स्वयं को समाज से जुड़ा महसूस करें। हम सामाजिक जीव हैं, समाज में रहने वाले प्राणी हैं। इसका परिणाम यह है कि हमें समाज से जुड़ा रहने के लिए समाज द्वारा स्थापित मान्यताओं को स्वीकार करना होता है।

बहुसंख्य समाज जिसे सही मानता है, हम उसे सही मानने लगते हैं और बहुसंख्य समाज जिसे गलत मानता है, हम भी उसे गलत मानना शुरू कर देते हैं। समाज से जुड़े रहना आवश्यक है। पुरातन काल से ही ऐसा चला आ रहा है। हमारे पूवर्ज समूह में रहते थे और समूह से अलग हो जाना या समूह से निष्कासित कर दिया जाना, मानो मृत्यु के समान था। आज भी हमारी वह प्रवृत्ति उसी तरह कायम है, और मानव स्वभाव की यह प्रवृत्ति पीढ़ी-दर-पीढ़ी हम अपनी अगली पीढ़ी को सौंप देते हैं। किसी स्थिति के सच को समझना महत्वपूर्ण है, पर हम इन्सानों को समाज से जुड़े रहना शायद उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण लगता है। अक्सर यह दोनों आवश्यकताएं पूरी हो ही जाती हैं, पर कई बार ऐसा भी होता है जब दोनों में विरोधाभास हो, और यदि ऐसा हो तो हमारा मस्तिष्क पुरजोर कोशिश करता है कि वह अपने पुराने विश्वासों पर कायम रहे, नए तथ्य किसी तरह से झूठ सिद्ध हो जाएं, या हमारा मस्तिष्क यह मान लेता है कि नए तथ्य असल में तथ्य नहीं हैं या अधूरा सच हैं। इस तरह हम अपने विचार बदलने की जहमत से बच जाते हैं। हार्वर्ड मनोवैज्ञानिक पीटर पिंकर इसे यूं कहते हैं कि ज्यादातर मामलों में समाज के विश्वास हितकर होते हैं और उनके साथ चलने में हमारा जीवन सुखमय बना रहता है। पर कभी-कभार जब किसी विरोधाभास की स्थिति हो तो हम उस विश्वास को अपनाते हैं जिससे हम ज्यादा से ज्यादा लोगों के प्रिय बन सकें, उनका आदर और निष्ठा पा सकें, बजाय इसके कि हम नए सच को स्वीकार करें। हम हर सच को इसलिए स्वीकार नहीं करते कि वह सच है, बल्कि बहुत बार हम किसी बात को इसलिए स्वीकार कर लेते हैं क्योंकि उससे हमारा समाज हमें अच्छा व्यक्ति मानता है। हमारा अवचेतन मन यदि यह समझे कि किसी विशेष व्यवहार को अपनाने से हमें समाज में सम्मान मिलता है तो हम बिना ज्यादा हिचक के उस व्यवहार को अपना लेते हैं और यह भी परवाह नहीं करते कि समाज ने उसे अच्छा क्यों माना या सच क्यों माना।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी श्रृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ, उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है।

भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिश्चंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराण प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था।

डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हलदे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसेनापति मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं के आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला।

अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद कांग्रेस को जनमानस के दबाव के कारण 31 दिसंबर, 1929 को लाहौर में रावी के तट पर पहली बार 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित करना पड़ा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने 1920 में नागपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में ही पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया था। उन्होंने कांग्रेस की प्रस्ताव समिति के सामने सुझाव रखा था कि कांग्रेस का उद्देश्य भारत को पूर्ण स्वतंत्र कर भारतीय गणतंत्र की स्थापना करना और विश्व को पूंजीवाद के चंगुल से मुक्त करना होना चाहिए। बहरहाल, सम्पूर्ण स्वतंत्रता का उनका सुझाव कांग्रेस ने 9 वर्ष बाद 1929 के लाहौर अधिवेशन में स्वीकृत किया। कांग्रेस का यह निर्णय संघ के घोषित उद्देश्य के अनुरूप था। इसलिए इससे आनंदित होकर सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं को 26 जनवरी, 1930 को कांग्रेस का अभिनंदन करने, राष्ट्रध्वज का वंदन करने और स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही यह भी कहा कि शाखाओं पर भाषण करके स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ एवं महत्व को समझाया जाए। सरसंघचालक के निर्देशानुसार, संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी, 1930 को सायं 6 बजे स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवलिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया। विदर्भ में बावली (अमरावती), आष्टी (वर्धा) और चिमूर (चंद्रपुर) में हुए आंदोलनों में संघ के स्वयंसेवकों ने ही नेतृत्व किया। चिमूर के समाचार बर्लिन रेडियो पर भी प्रसारित हुए। यहां के आन्दोलन का नेतृत्व कांग्रेस के उद्धवराव कोरेकर और संघ के अधिकारी दादा नाईक, बाबूराव बेगडे, अण्णाजी सिरास ने किया। चिमूर के इस आन्दोलन में अंग्रेज की गोली से एकमात्र मृत्यु बालाजी रायपुरकर की हुई, जो संघ स्वयंसेवक थे। इस आंदोलन के अंतर्गत राजस्थान में प्रचारक जयदेवजी पाठक, आर्वी (विदर्भ) में डॉ. अण्णासाहब देशपांडे, जशपुर (छत्तीसगढ़) में रमाकांत केशव (बालासाहब) देशपांडे, दिल्ली में वसंतराव ओक एवं चंद्रकांत भारद्वाज और पटना (बिहार) में अधिवक्ता कृष्ण वल्लभप्रसाद नारायण सिंह (बबुआजी) ने भाग लिया।

अंग्रेज सरकार संघ के बढ़ते प्रभाव से घबरा गई थी। इसलिए उसने संघ पर आंशिक प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए ताकि संघरूपी आंदोलन को रोका जा सके। गुप्तचर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर अंग्रेज सरकार ने सबसे पहले 15 दिसंबर, 1932 को एक सर्कुलर निकालकर सरकारी कर्मचारियों को संघ में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया। वहीं, 5 अगस्त, 1940 को ब्रिटिश सरकार ने संघ की सैनिक वेशभूषा और प्रशिक्षण पर पूरे देश में प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि सरकार को गुप्तचर रिपोर्ट में यह जानकारी मिलने लगी थी कि संघ के स्वयंसेवक पूर्ण स्वतंत्रता की ओर तेजी से अग्रसर हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भागलपुर में महिला के साथ छेड़खानी, विरोध करने पर घर में घुसकर पीटा, थाने में एफआईआर

नारायणपुर, 18 अगस्त [एजेंसी]। भागलपुर जिले के भवानीपुर कोसी तटबंध पर एक महिला के साथ छेड़खानी का विरोध करने पर उसके घर में घुसकर मारपीट करने और मोटरसाइकिल छीनने का मामला सामने आया है। पीड़िता, भवानीपुर निवासी रामनाथ पंडित की पत्नी आशा देवी ने नगरपारा निवासी बिनोद पासवान, रंजीत पासवान, मुल्लू पासवान, छंगूरी पासवान, बाबुसाहेब पासवान, छोटु पासवान, हरेराम पासवान, बिदुर पासवान, मनोज पासवान, बमबम पासवान, राजन पासवान, सुमित पासवान समेत बारह लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

महिला ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने छेड़खानी का विरोध किया, तो आरोपियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों और अवैध हथियारों से गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान उनके ननदोसी भोला पंडित, गोतनी मधु देवी और बच्चे प्रिंस भी घायल हो गए। जब उनके पति और पुत्र बचाने आए, तो आरोपियों ने मोटरसाइकिल संख्या बी आर 34 क्यूं 0834 छीन ली और धमकी देते हुए फरार हो गए।स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उक्त महिला और उसके परिवार को सीएचसी नारायणपुर में इलाज के लिए ले जाया गया। भवानीपुर थाना

में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है।महिला ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने छेड़खानी का विरोध किया, तो आरोपियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों और अवैध हथियारों से गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान उनके ननदोसी भोला पंडित, गोतनी मधु देवी और बच्चे प्रिंस भी घायल हो गए। जब उनके पति और पुत्र बचाने आए, तो आरोपियों ने मोटरसाइकिल संख्या बी आर 34 क्यूं 0834 छीन ली और धमकी देते हुए फरार हो गए।स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उक्त महिला और उसके परिवार को सीएचसी नारायणपुर में इलाज के लिए ले जाया गया। भवानीपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता, भवानीपुर निवासी रामनाथ पंडित की पत्नी आशा देवी ने नगरपारा निवासी बिनोद पासवान, रंजीत पासवान, मुल्लू पासवान, छंगूरी पासवान, बाबुसाहेब पासवान, छोटु पासवान, के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

आयरलैंड में भारतीयों पर हमले का विरोध तेज, नर्सों ने दी चेतावनी

आयरलैंड,18 अगस्त (एजेंसी)। आयरलैंड में भारतीयों पर हो रहे नस्लीय हमलों के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है। आयरलैंड में जहां इन हमलों के विरोध में भारतीय नर्सों ने चेतावनी दी है, वहीं विदेश मंत्रालय ने आयरिश सरकार से चिंता जताई है।आयरलैंड के स्वास्थ्य सेवा कार्यकारी (एचएसई) और सबसे बड़े नर्स संघ ने कहा है कि उनके पलायन का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर गंभीर असर पड़ सकता है। आयरलैंड में भारत, अफ्रीका और अन्य एशियाई देशों के लगभग 23 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मी काम करते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि वह भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं और हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। इस मुद्दे पर करीबी नजर है और इसे मजबूती के साथ डबलिन और आयरिश दूतावास के समक्ष उठाया गया है। हमने नोट किया है कि आयरलैंड के राष्ट्रपति और उप प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक तौर पर हिंसा की आलोचना की है।बयान के मुताबिक एचएसई विदेश से आए लोगों, उनके परिवारों और समुदाय के खिलाफ नस्लीय दुर्व्यवहार और हमलों की सभी घटनाओं की स्पष्ट रूप से निंदा करता है। यह अस्वीकार्य है। लोगों को दुर्व्यवहार के डर से घर से बाहर निकलने या काम पर जाने से नहीं डरना चाहिए।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि वह भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं और हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। इस मुद्दे पर करीबी नजर है और इसे मजबूती के साथ डबलिन और आयरिश दूतावास के समक्ष उठाया गया है। हमने नोट किया है कि आयरलैंड के राष्ट्रपति और उप प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक तौर पर हिंसा की आलोचना की है।

अब तक 60 की मौत... किश्तवाड़ में बादल फटने से हाहाकार, हजारों लोगों को बचाने में जुटी सेना

जम्मू, 18अगस्त [एजेंसी]। जम्मू-कश्मीर के अंतर्गत किश्तवाड़ के गांव चिसौती में बादल फटने की घटना से अब तक 60 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 100 से ज्यादा घायल हैं। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दी। वहीं, बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, मचेल गांव में हजारों लोग अभी फंसे हुए हैं। इन्हें निकालने के लिए एडीआरएफ और अर्धसैनिक बल के जवान जुटे हुए हैं। बादल फटने की घटना से पुल और सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इसलिए थोड़ा रास्ता बनाकर उन्हें एकएक कर निकाला जा रहा है। इसके बाद लापता लोगों को खोजने के लिए ऑपरेशन शुरू किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम शुक्रवार को

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के बादल फटने से प्रभावित चिसोती गांव पहुंची। इस बीच 167 लोगों को बचाया गया है। वहीं, शुक्रवार को उमर अब्दुल्ला ने बताया कि मृतकों की संख्या 60 पहुंच गई है। जबकि 100 से ज्यादा लोगों घायल अवस्था में है। किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज शर्मा ने बताया कि हेलिकॉप्टर की टीम गांव में चल रहे अभियान में शामिल हो रही है। वे देर रात गुलाबगढ़ पहुंच गए हैं। अभियान की निगरानी कर रहे शर्मा ने कहा कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर नहीं चल सके, इसलिए टीम उधमपुर से सड़क मार्ग से आई। अधिकारियों ने बताया कि दो और टीमें रास्ते में हैं और ज्यादा नुकसान होने के कारण वे भी अभियान में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि सेना ने खोज और बचाव अभियान को तेज करने के लिए एक और टुकड़ी भी शामिल की है। राष्ट्रीय राइफल्स के जवान भी अभियान में शामिल हो गए हैं। अधिकारी ने बताया कि 60-60 जवानों वाली पाँच टुकड़ियां, कुल 300 जवान, व्हाइट नाइट कोर की चिकित्सा टुकड़ियों के साथ, ज़मीन पर मौजूद हैं और पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य नागरिक एजेंसियों के साथ मिलकर लोगों की जान बचाने और ज़रूरतमंदों की मदद करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं।

जम्मू के किश्तवाड़ से तकरीबन 90 किलोमीटर दूर चशौती गांव के मचैल माता मंदिर में बादल फटा। तकरीबन नौ हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद मचैल माता मंदिर जाने के लिए यहां से करीब आठ किलोमीटर पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है। आपदा के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां टैंटों में रुके हुए थे, तभी बादल फटने से अचानक सैलाब आया। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही सैलाब सब कुछ बहाकर ले गया।

धर्मशाला में दर्दनाक हादसा, खाई में पिकअप गाड़ी गिरने से चार लोगों की मौत

धर्मशाला, 18 अगस्त [एजेंसी]। धर्मशाला के निकट योल पुलिस चौकी के अंतर्गत शुक्रवार सुबह लगभग 7.30 बजे जदरांगल के समीप इक्कू खड्ड मोड़ पर एक यात्री वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोग और आसपास के वाहन चालक तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई।पुलिस के अनुसार, वाहन में 20 से 25 यात्री सवार थे। यह वाहन पंजाब के मोगा जिले से बताया जा रहा है। हादसे में मौके पर ही एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। मृतकों में दो

महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं।सदर थाना पुलिस धर्मशाला के प्रभारी नारायण सिंह ने बताया कि सभी घायलों को डा. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज, टांडा में भर्ती करवाया गया है। इनमें से कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम लगातार घायलों का इलाज कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन चालक का नियंत्रण खोना मुख्य वजह मानी जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिहार में उद्योग लगाने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा : नीतीश कुमार

नई दिल्ली ,18 अगस्त (एजेंसी)। बिहार में नए उद्यमियों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की है। नीतीश कुमार ने शनिवार को जन्माष्टमी के मौके पर बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा।इसके साथ ही नीतीश कुमार ने युवाओं के रोजगार की दृष्टि से भी बड़ी घोषणा की है।

उन्होंने बताया कि अगले 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। निजी क्षेत्रों को बिहार में उद्योग लगाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा विशेष आर्थिक पैकेज देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी तथा जीएसटी के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को दोगुना किया जाएगा।आगे लिखा, उद्योग लगाने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी तथा ज्यादा रोजगार देने वाले उद्योगों को मुफ्त में जमीन दी जाएगी। उद्योग लगाने हेतु आवंटित भूमि से संबंधित विवादों को समाप्त किया जाएगा। ?यह सारी सुविधाएं अगले 6 महीने में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को दी जाएंगी। इसके अलावा कई और प्रावधान भी किए गए हैं, जिससे राज्य में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को काफी मदद मिलेगी। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी। राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य है कि बिहार में उद्योगों को और ज्यादा बढ़ावा मिले, बिहार के युवा दक्ष एवं आत्मनिर्भर हों तथा उन्हें अधिक से अधिक रोजगार मिल सके एवं उनका भविष्य सुरक्षित हो।नीतीश कुमार ने आगे बताया कि 2020 में सात निश्चय-2 के तहत की गई घोषणा के क्रम में हमारी सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। अब हमारी सरकार ने अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है।

नई दिल्ली में मदर टेरेसा रोड पर तेज रफ्तार सफेद थार से एक व्यक्ति की मौत और एक अन्य के घायल होने के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिस कर्मी और फोरेंसिक विशेषज्ञ।

नूंह में दर्दनाक हादसा, कालकाजी से दर्शन कर लौट रहे दो युवकों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले में आज को एक दर्दनाक हादसा हो गया।दिल्ली कालकाजी से दर्शन कर कार से लौट रहे दो युवाओं की सड़क हादसे में मौत हो गई।बताया गया कि युवाओं की कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई थी। मृतक की पहचान राहुल निवासी तावडू 28 वर्ष और अजय 30 वर्ष बताई गई है।वहीं, पुलिस ने गाड़ी को अपने कब्जे में लेकर मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। साथ ही पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। यह हादसा शुक्रवार अल सुबह लगभग 3:00 के करीब शिकारपुर गांव के मोड़ से आगे हुआ।

..तो भारत पर और बढ़ सकता है टैरिफ, रूस का नाम लेकर अमेरिकी वित्त मंत्री ने दी ऐसी चेतावनी

नईदिल्ली, 18 अगस्त [एजेंसी]।अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी है कि अगर शुक्रवार को अलास्का में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच वार्ता के दौरान चीजें ठीक नहीं रहीं तो भारत पर टैरिफ और बढ़ सकते हैं।पिछले हफ्ते ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए थे, जिसमें रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल है। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। बेसेंट ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति पुतिन से हर कोई निराश हो चुका है। हमें उम्मीद है कि वह ज्यादा खुलकर बातचीत करेंगे।ऐसा लग रहा है कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं। हमने रूसी तेल खरीदने पर भारतीयों पर अतिरिक्त टैरिफ लगा दिए हैं। अगर चीजें ठीक नहीं रहीं तो प्रतिबंध या अतिरिक्त टैरिफ बढ़ सकते हैं। रूसी कच्चे तेल के मुख्य खरीदार चीन के बारे में पूछे जाने पर बेसेंट ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति दबाव बनाने में सबसे कुशल हैं और वह अपने रूसी समकक्ष पुतिन को स्पष्ट कर देंगे कि सभी विकल्प खुले हैं।यह पूछे जाने पर कि क्या टैरिफ बढ़ाए जा सकते हैं या कम किए जा सकते हैं, बेसेंट ने कहा, टैरिफ बढ़ाए जा सकते हैं, उन्हें कम भी किया जा सकता है। उनकी एक निश्चित अवधि हो सकती है। वे अनिश्चित काल तक जारी भी रह सकते हैं।जैसा कि आप जानते हैं, दुनिया भर में रूसी जहाजों का एक छद्म बेड़ा है।

पंजाब में भी बारिश ने बरपाया कहर, कपूरथला में 48 घंटे में तीसरा बांध टूटा, बाढ़ की चपेट में 30 गांव

जालधंर,18 अगस्त [एजेंसी]। पंजाब में वीरवार को कई जिलों में दिन भर वर्षा हुई। सावन के बाद भादों में हुई भारी वर्षा के कारण शहरों के साथ-साथ हाईवे पर जलभराव के कारण आवागमन प्रभावित रहा। पहाड़ों में हो रही वर्षा के कारण पौंग बांध का जलस्तर वीरवार को 1377.19 फीट तक पहुंच गया। बांध से पानी छोड़े जाने के कारण ब्यास दरिया खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। कपूरथला, होशियारपुर, गुरदासपुर, अमृतसर, फाजिल्का व फिरोजपुर में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। कपूरथला में 48 घंटे के भीतर तीसरा अस्थायी बांध टूटने से लगभग 30 से ज्यादा गांव पानी से घिर गए हैं। यहां से लोग सुरक्षित स्थानों पर पलायन कर रहे हैं। मौसम विभाग ने राज्य में शुक्रवार और शनिवार को भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वीरवार को होशियारपुर में सबसे अधिक 62 एमएम वर्षा रिकार्ड की गई, जबकि लुधियाना में 39.6, अमृतसर में 14 एमएम, शहीद भगत सिंह नगर में 15 एमएम, रूपनगर में 10.5 एमएम, संगरूर में 6 एमएम और फरीदकोट में 5 एमएम वर्षा हुई। ब्यास दरिया का जलस्तर बढ़ने से कूपथला के सुल्तानपुर लोधी हलके के मंड क्षेत्र पानी में डूब चुका हैं। गांव भैणी कादर, गांव महिवाल के बाद वीरवार को मंड शेरपुर के पास एक और अस्थायी बांध टूट गया, जिससे मंड क्षेत्र के कई

गांवों में पानी भरने के साथ-साथ तरनतारन जिले के कई गांवों में भी बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। 7,000 एकड़ में फसल पानी में डूब गई है। धान, बासमती, मक्की, गन्ना की फसल के साथ-साथ पशुओं का चारा प्रभावित हो गया है। राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य में जुटे हैं। उनकी टीम ब तक 125 से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से निकाल कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। डीसी अमित कुमार पंचाल ने वीरवार को बाढ़ प्रभावित की मदद के लिए लखवरियह के सरकारी हाई स्कूल में राहत कैंप स्थापित किया है। उधर, सतलुज दरिया का जलस्तर बढ़ने से फाजिल्का जिले जलालाबाद क्षेत्र के कई गांवों बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। सड़क टूटने से गांव आतूवाला आने-जाने का रास्त बंद हो गया है। बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे औल लोग नाव के सहारे आवागमन कर रहे है

अंबिकापुर में अजीब तरह की घटनाबाइक चलाते समय युवक को आया हार्ट अटैक, मौके पर मौत

अंबिकापुर,18 अगस्त (एजेंसी)अंबिकापुर में एक अजीब तरह की घटना सामने आई है। दरअसल, रिंगरोड में बुधवार की दोपहर खड़ी कार को टक्कर मारने के बाद गिरे बाइक सवार युवक की मौत हो गई। डॉक्टर ने मौत की वजह हादसा नहीं, बल्कि हार्ट अटैक बताया है।इस हादसे का फुटेज आसपास की दुकानों में लगे सीसी कैमरे में कैद हो गया है। गोविंदपुर निवासी सिरिल तिर्की (35) बाइक से बस स्टैंड की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसे हार्ट अटैक आया और उसने अपनी बाइक की रफ्तार धीरे-धीरे कम की।इसके बाद सड़क किनारे खड़ी कार से जा टकराया और वह वहीं बाइक समेत गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को अस्पताल पहुंचाया था, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना गांधीनगर थाना पुलिस को दी गई।

रायगढ़ में 10 स्कूली बसों पर 38 हजार का जुर्माना:फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं मिला, 106 बस ब्लैक लिस्टेड

रायगढ़,18 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्कूली बसों का फिटनेस चेक किया जा रहा है। ऐसे में 3 दिनों तक स्कूल बसों की जांच की गई। इस दौरान 10 बसों का फिटनेस प्रमाणपत्र वैध नहीं पाया गया। जिसके बाद उन पर जुर्माने की कार्रवाई की गई है।जानकारी के मुताबिक, परिवहन उड़नदस्ता दल ने 11 से 13 अगस्त के बीच संबंधित बसों के खिलाफ कुल 38 हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही दो स्कूली बसों पर 55 हजार 989 रुपए का बकाया टैक्स वसूला गया। वहीं, पहले भी 106 बसों को ब्लैक लिस्टेड किया जा चुका है।इन स्कूलों की बस में कार्रवाईजिन स्कूलों की बसों पर यह कार्रवाई की गई। उनमें एरिसेन्ट एजुकेशन सोसायटी, डिवाइन लाइफ स्कूल, ज्ञान धारा एजुकेशन, एकेडमिक ब्राइट पब्लिक स्कूल और राइजिंग किड्स हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल हैं।पहले कई स्कूल बसों को ब्लैकलिस्टेड कियास्कूल बसों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 16 बिंदुओं की जांच को लेकर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिला परिवहन कार्यालय द्वारा 21, 22 और 29 जून को मिनी स्टेडियम में विशेष निरीक्षण शिविर आयोजित किया गया था।तब कई स्कूल बसें शिविर में जांच के लिए नहीं पहुंचे थे। ऐसे में सभी 106 अनुपस्थित बसों को पूर्व में वाहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।

कसडोल पुलिस ने की प्रतिबंधात्मक धाराओं में तीन के खिलाफ कार्रवाई

बलौदाबाजार, 18 अगस्त (एजेंसी)। जिले की थाना कसडोल पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु असामाजिक तत्वों पर की जा रही है, ताबड़तोड़ कार्यवाही के तहत तीन लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक श्रीमति भावना गुप्ता के निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं शांति व्यवस्था बाधित करने वाले तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। कार्यवाही के इसी क्रम में आज दिनांक 12.08.2025 को थाना कसडोल क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था हेतु शांति व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 170,126,135 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर कुल 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रथराम बंजारे उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम कोट थाना कसडोल, साहेब लाल साहू उम्र 33 वर्ष निवासी इंदिरा कॉलोनी कसडोल थाना कसडोल तथा अंतराम कैवर्त उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल के खिलाफ धारा 170,126,135 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है।

ट्रांसफार्मर लगाने स्कूली बच्चों से कराई मेहनत, स्कूल और बिजली विभाग की लापरवाही उजागर

बिलासपुर, 18 अगस्त (एजेंसी)। तखतपुर ब्लॉक के शासकीय हाई स्कूल चनाडोंगरी से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है, जिसमें स्कूल परिसर में ट्रांसफार्मर लगाते समय बच्चों से ही खतरनाक काम करवाया गया। स्कूल प्रबंधन और बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बच्चों से ट्रांसफार्मर खींचने के लिए रस्सी पकड़वाई गई, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली विभाग के अधिकारियों ने बिना किसी सुरक्षा उपाय और पेशेवर श्रमिकों के, छात्रों को ही भारी उपकरण खींचने में लगा दिया। यह घटना न सिर्फबच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा बनी, बल्कि बाल श्रम और स्कूलों में बच्चों की भूमिका को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। मामले की जानकारी मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडे ने स्पष्ट किया कि इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार शिक्षक के खिलाफकार्रवाई की जाएगी। वहीं, बिजली विभाग की भूमिका को लेकर भी प्रशासन की तरफसे जांच की बात कही जा रही है।इस घटना ने एक बार फिर सरकारी स्कूलों में सुरक्षा मानकों और जवाबदेही पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रीपल मर्डर मामले में सभी आरोपी गिरफ्तार

धमतरी, 18 अगस्त (एजेंसी)। जिले के थाना अर्जुनी क्षेत्र के भोयना स्थित अन्नपूंर्णा ढाबा के पास 3 युवकों की हत्या के मामले में धमतरी पुलिस ने सभी 8 आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में 3 नाबालिग बालक भी शामिल है। मामले में सभी पर बीएनएस की गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।
बता दें कि दिनांक 11.08.2025 को रात्रि लगभग 11:20 बजे अर्जनी थानाक्षेत्र के ग्राम भोयना में अन्नपूर्णा ढाबा के पास धारदार हथियार से हमला कर 3 व्यक्तियों की हत्या कर दी गई थी। सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी सहित थाना अर्जुनी की टीम तत्काल मौके पर पहुंचे और प्रार्थी राहुल कुमार साहू (उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम सोरम, थाना रूद्री) की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। रिपोर्ट के अनुसार, मृतक आलोक सिंह ठाकुर,नितीन टांडी एवं सुरेश हियाल अपने साथियों के साथ ढाबा पहुंचे थे, जहां पहले से मौजूद 08 आरोपियों ने गाली-गलौज कर हाथापाई की और मुख्य आरोपी गोपी दीवान ने चाकू से तीनों पर प्राणघातक वार किया जिसमें तीनों की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने दूसरे दिन ही सभी आरोपी गोपी दीवान पिता प्यारी दीवान, उम्र 20 वर्ष, ग्राम मथुराडीह, थाना अर्जुनी,जिला धमतरी (छ.ग.) (मुख्य आरोपी), कुलेश्वर नेताम पिता चुरामन लाल नेताम, उम्र 25 वर्ष, ग्राम कोर्रा, थाना भखारा,जिला धमतरी, रणवीर कुमार साहू पिता गोपाल साहू, उम्र 20 वर्ष, ग्राम ईर्री, थाना भखारा,जिला धमतरी, कमलेश ध्रुव पिता राजेन्द्र ध्रुव, उम्र 19 वर्ष, आमापारा, धमतरी,जिला धमतरी , गौतम दीवान पिता लक्ष्मण दीवान, उम्र 22 वर्ष, ग्राम मथुराडीह, थाना अर्जुनी,जिला धमतरी तथा तीन नाबालिग बालकों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1), 190, 191(1)(3) बीएनएस.के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर पेश कर जेल भेजा गया है। नाबालिग बालकों को किशोर न्याय बोर्ड को प्रस्तुत किया गया है। एसपी धमतरी के निर्देशन पर पुलिस टीमों ने सघन तलाशी अभियान चलाकर मुख्य आरोपी सहित सभी को रात में ही गिरफ्तार किया गया।

जुआ खेलते नाबालिग समेत पांच जुआरी पकड़ाए

दुर्ग, 18 अगस्त (एजेंसी)। जिले की जामुल पुलिस ने आम्रपाली वनांचल सिटी के पीछे जुआ खेल रहे एक नाबालिग समेत 5 जुआरियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 14700 रूपये एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया है।

प्रेमी को बाईक दिलाने प्रेमिका बनी चोर

कांकेर, 18 अगस्त (एजेंसी)। जिले के चौकी हल्बा, थाना नरहरपुरक्षेत्र में एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी की बाईक के शौक का पूरा करने के लिए प्रेमी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस ने 48 घण्टे के अंदर दोनों को गिरफ्तार कर लिया और चोरी के नगदी समेत सोने चांदी के आभूषण कुल कीमती लगभग 02 लाख रूपये जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 09.08.2025 को प्रार्थी कन्हैया पटेल चौकी हल्बा उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 08.08.2025 के 1 बजे मैं मेरे घर डूमरपानी से बाजार में सब्जी बेचने गया था और वापस रात करीबन 8 बजे घर आया तो देखा कि घर में मेरे कमरे का ताला टूटा हुआ था घर का समान इधर-उधर बिखरा पड़ा था कमरे के अंदर जाकर देखा तो मेरे कमरे की 02 पेटियॉ खुली हुई थी पेटीयों में रखे नगदी रकम और 01 नग सोने का मंगल सूत्र, 01 नग सोने का मराठी माला, 01 जोड़ी सोने का कान का टॉप्स, 01 नग चॉदी का करधनी, 01 जोड़ी चांदी का पायल नहीं था कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है, की रिपोर्ट पर धारा 305 (ए), 331(3) बीएनएस पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उमनि. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकेर आई.के.ऐलिसेला के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में, उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी अविनाश ठाकुर के पर्यवेक्षण में चौकी प्रभारी निरीक्षक मालिक राम केंवट के नेतृत्व में टीम गठित कर अज्ञात आरोपी चोर का पता तलाश किया गया पता तलाश के दौरान सूचना मिला कि करूणा पटेल और ताम्रध्वज विश्वकर्मा उक्त दिनांक घटना के समय संदिग्ध अवस्था में गांव में घुम रहे थे, कि सूचना पर उक्त महिला और पुरूष को पुलिस अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर करूणा पटेल ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि अपने प्रेमी ताम्रध्वज विश्वकर्मा को मोटर सायकल खरीदने हेतु पैसे की जरूरत होने पर दोनों मिलकर अपने परिचित के घर पर चोरी करने की योजना बनायी। घटना दिनांक को करीबन 02 बजे आरोपिया प्रार्थी के घर चोरी के लिए घुसी जिस दौरान आरोपी ताम्रध्वज विश्वकर्मा बाहर से निगरानी कर रहा था। आरोपिया ने प्रार्थी के घर में रखे बसूला से कमरे का ताला तोड़ी और कमरे के अंदर गयी जहॉ पर कमरे में दो पेटियॉ थी जिसे तोड़कर नगद पैसा और जेवर को चोरी करके घर से बाहर निकल गयी और अपने प्रेमी ताम्रध्वज विश्वकर्मा को गाड़ी खरीदने के लिए नगद रकम को दे दी और जेवर को अपने घर में ले गयी थी। पुलिस द्वारा चोरी का रकम 95,000 को ताम्रध्वज विश्वकर्मा के घर से और 01 नग सोने का मंगल सूत्र, 01 नग सोने का मराठी माला, 01 जोड़ी सोने कान का टॉप्स, 01 नग चॉदी का करधनी, 01 जोड़ी चांदी का पायल करूणा पटेल के घर से इस प्रकार सम्पूर्ण चोरी का मसरूका कीमत लगभग 02 लाख रूपये जप्त कर आरोपिया कुमारी करूणा पटेल पिता राजेश पटेल उम्र 22 वर्ष जाति मरार साकिन डूमरपानी चौकी हल्बा और आरोपी ताम्रध्वज विष्वकर्मा पिता भागवत विष्वकर्ता उम्र 24 वर्ष जाति लोहार साकिन डूमरपानी चौकी हल्बा थाना नरहरपुर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु पेश किया जा रहा है।

पेट्रोल पंप सुपरवाइजर के साथ मारपीट करने वाले तीन गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 18 अगस्त (एजें सी)। जिले के ग्राम ढाबाडीह स्थित पेट्रोल पंप में सुपरवाइजर के साथ मारपीट करने वाले 3 आरोपियों को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी विनोद दुबे निवासी ग्राम ठेलकी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह नंदलाल फ्यूल पेट्रोल पंप ढाबाडीह में सुपरवाइजर का काम करता है। दिनांक 09.08.2025 को रात करीबन 11 बजे आरोपी आशीष बघेल अपने कुछ मित्रों के साथ आया और उसे कुछ काम है का बहाना करते हुए सामने ढाबा के पास खड़े ट्रक के पास ले गया। तत्पश्चात आरोपियों द्वारा प्रार्थी को पेट्रोल भरवाने आने पर तुम अपने आप को होशियार समझते हो इस प्रकार की बातें बोलकर तथा अश्लील गाली गलौज कर जान से मारने की देते हुए, हाथ मुक्का एवं बेल्ट आदि से मारपीट किया गया है। मारपीट करने से दोनों हाथ, पीठ, पैर आदि में चोट लगा है। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में धारा 296,351 (2),115 (2),118 (2)3 (5) बीएनएस का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में शामिल 03 आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देते हुए एवं अश्लील गाली गलौज कर प्रार्थी के साथ हाथ मुक्का, बेल्ट आदि से मारपीट करना स्वीकार किया गया। कि प्रकरण में तीनों आरोपियों को आज दिनांक 12.08.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।मामले में पुलिस ने कृष्णा वर्मा उर्फराजा वर्मा उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम चांपा थाना पलारी, आशीष बघेल उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम सेम्हराडीह थाना सुहेला तथा भीम साहू उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम सेम्हराडीह थाना सुहेला को गिरफ्तार किया है।

तस्करों को गांजा सप्लाई करने वाला उड़िसा से गिरफ्तार

जशपुर, 18 अगस्त (एजेंसी)। जशपुर पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत तस्करों को अवैध रूप से गांजा सप्लाई करने वाले आरोपी पुरस्तम को उड़ीसा से ढूंढकर जशपुर लाया गया तथा जेल भेजा गया है। पुलिस ने फ़रवरी में चौकी कोतबा क्षेत्र में 98 किलो गांजा के साथ एक आरोपी को पकड़ा था, उसी की निशानदेही पर पुलिस गांजा सप्लायर तक पहुंची और गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 16.02.25 को चौकी कोतबा पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली थी कि, कुछ व्यक्ति सफेद रंग की मारुति ब्रेजा कार क्रमांक सीजी10बीई3848 में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का परिवहन कर उड़ीसा राज्य से होते हुए ग्राम ग्राम बुलडेगा, राजाआमा होते हुए लुड़ेग की ओर जा रहे हैं। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर पुलिस की टीम के द्वारा घेरा बंदी कर ग्राम राजाआमा में आरोपी चैतन्य यादव उम्र 27 वर्ष निवासी बरखुरिया, थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ (छ. ग) के कब्जे से 98 किलो 600 ग्राम अवैध गांजे को बरामद किया गया था, व आरोपी चैतन्य यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी चैतन्य यादव से मालूम चला था कि उक्त अवैध मादक पदार्थ गांजा को वह उड़िसा निवासी आरोपी पुर स्तम बारीक से खरीदा था , अत: जशपुर पुलिस के द्वारा आरोपी चैतन्य यादव के निशानदेही पर, आरोपी गांजा सप्लायर पुरस्तम बारीक की लगातार पतासाजी की जा रही थी, जिसके लिए पुलिस ने अपने मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया था व पुलिस की टेक्निकल टीम की भी मदद ली जा रही थी, पुलिस की टेक्निकल टीम के द्वारा आरोपी गांजा सप्लायर पुरस्तम बारीक को लगातार ट्रेस किया जा रहा था साथ ही पुलिस उसके छिपने की संभावित ठिकानों पर भी दबिश दे रही थी, परंतु पुरस्तम बारीक, इतना शातिर था कि बार बार अपना ठिकाना बदल रहा था। इसी दौरान पुलिस को टेक्निकल टीम की मदद से पता चला कि आरोपी गांजा सप्लायर पुरस्तम बारीक उड़ीसा राज्य में अपने ग्राम टटरकिला में देखा गया है, जिस पर पुलिस की टीम के द्वारा ग्राम टीटरकिला (उड़ीसा) जाकर, आरोपी के घर की घेरा बंदी कर आरोपी पुरस्तम बारीक को हिरासत में ले कर कर वापस लाया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी पुरस्तम बारीक उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम टटरकिला , थाना बानसुनी , जिला बोधा,(उड़ीसा) के द्वारा अपराध स्वीकार करते हुए बताया गया कि, उसका पूर्व में गिरफ्तार आरोपी चैतन्य यादव के साथ व्हाट्स एप के माध्यम से बातचीत होती थी, बातचीत के दौरान, उसी के द्वारा ही चैतन्य यादव को अवैध रूप से गांजा उपलब्ध कराया गया था।पुलिस की पूछताछ पर अपराध स्वीकार करने व प्रयास अपराध सबूत पाए जाने पर आरोपी पुरस्तम बारीक उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम टटरकिला , थाना बानसुनी , जिला बोधा,(उड़ीसा) को पुलिस के द्वारा विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक बृजेश यादव , आरक्षक बूटा सिंह, अभय चौबे व पुस्तम यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर अनिल कुमार सोनी ने कहा कि चौकी कोतबा क्षेत्रांतर्गत एक गांजा तस्करी के मामले में, पुलिस ने बहुत ही प्रोफेशनल तरीके से एक गांजा सप्लायर को उड़ीसा से हिरासत में लेकर, गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है, मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों को भी पुलिस ने चिन्हित कर

राजधानी में 15 लाख रूपये लूट की घटना निकली फर्जी

व्यापारी ने आर्थिक नुकसान को छिपाने के लिए गढ़ी थी झूठी कहानी

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसी)। राजधानी के देवेंद्र नगर में सोमवार को एक व्यापारी से 15 लाख रूपये लूटे जाने की घटना फर्जी निकली है। लूट की शिकायत दर्ज कराने वाले व्यापारी ने आर्थिक नुकसान को छिपाने के लिए लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। मामले में पुलिस अब कारोबारी चिराग जैन के खिलाफ कार्रवाई करेगी राजधानी रायपुर में 15 लाख की लूट की सनसनीखेज कहानी अब पूरी तरह फर्जी निकली है। पंडरी थाना क्षेत्र में बोरवेल पाट्र्स के व्यापारी चिराग जैन द्वारा दर्ज कराई गई कथित लूट की शिकायत की सच्चाई सामने आ गई है। पुलिस जांच में पता चला कि यह पूरी घटना झूठी थी, जिसे कारोबारी ने अपने आर्थिक नुकसान को छिपाने के लिए गढ़ा था। रायपुर एसपी लाल उमेद सिंह ने सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शिकायतकर्ता चिराग जैन अपने बयान बार-बार बदल रहा था, जिससे पुलिस को शक हुआ। जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने खुद स्वीकार किया कि स्ट्रङ्क ट्रेडिंग में भारी नुकसान और कर्ज के दबाव में आकर उसने यह फर्जी कहानी बनाई।गौरतलब है कि चिराग जैन ने 11 अगस्त को शिकायत दर्ज करवाई थी कि देवेंद्र नगर के सेक्टर-5 में उसे बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने रोककर 15 लाख रुपए कैश, सोने की चेन और अंगूठी लूट ली। इस शिकायत को गंभीर मानते हुए पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया और 6 टीमें बनाकर शहर में नाकेबंदी कर दी। करीब 700 सीसीटीव्ही कैमरों की जांच भी की गई और 3 संदिग्धों पर लूट का केस दर्ज हो गया।
लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, चिराग के बयानों में विरोधाभास सामने आने लगे। इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर मामले की गहराई से छानबीन की, और आखिरकार चिराग ने खुद कबूल कर लिया कि लूट की कोई घटना हुई ही नहीं थी।अब पुलिस ने फर्जी रिपोर्ट दर्ज करने के आरोप में चिराग जैन के खिलाफकेस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही, जिन निर्दोष लोगों के खिलाफपहले लूट का केस

नाबालिब से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 18 अगस्त (एजेंसी)। जिले की थाना-चकरभाठा पुलिस ने एक नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट की धारा के अंतर्गत कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार एक नाबालिक पीड़िता ने दिनांक 11.08.2025 अपने परिजनों के साथ चकरभाठा थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी नंद झरोखा यादव द्वारा पीड़िता के साथ बुरी नीयत से छेड़छाड़ किया है। रिपोर्ट पर थाना चकरभाठा में धारा 74 बीएनएस 8 पोक्सो अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया जिनके द्वारा उक्त आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे
1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

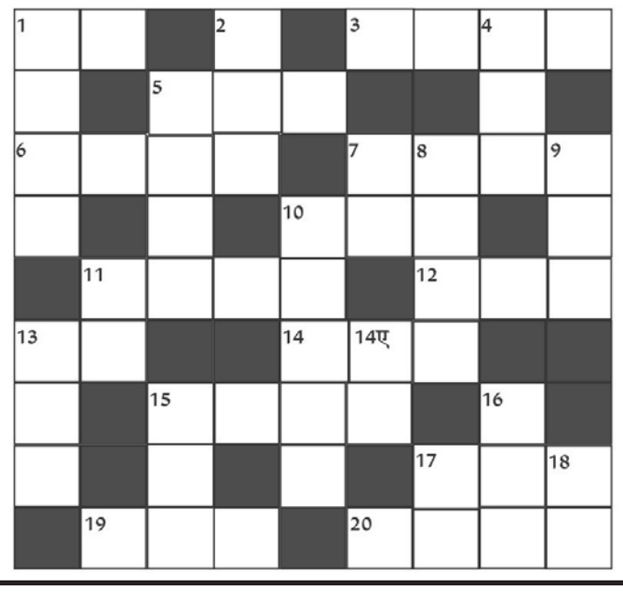

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

विराट कोहली को अपना सबसे अच्छा शिष्य मानते हैं रवि शास्त्री, तारीफ में पढ़े कसीदे

नई दिल्ली ,18 अगस्त (एजेंसी)। विराट कोहली ने 2014 की टेस्ट सीरीज के दौरान महेंद्र सिंह धोनी के बाद कप्तानी संभाली थी। एडिलेड में अपने पहले ही टेस्ट मैच में बतौर कप्तान दो शतक जड़कर जोरदार शुरुआत की। अगले पांच वर्षों में उन्होंने लाल गेंद के क्रिकेट में दबदबा बनाया और 63.27 की शानदार औसत से 4492 रन बनाए जिसमें 18 शतक शामिल रहे।भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को अपना सबसे अच्छा शिष्य मानते हैं। उन्होंने किंग कोहली की तारीफ करते हुए कहा की उनकी जिम्मेदारी लेने की क्षमता ने काफी प्रभावित किया। बता दें कि, 2017 से 2021 तक रवि शास्त्री की कोचिंग में विराट कोहली ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया। शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में खेली गई विराट की कुछ पारियों को अविश्वसनीय बताया।शास्त्री ने की कोहली की तारीफ रवि शास्त्री ने स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए विराट की सराहना की। उन्होंने कहा, %मैं कहूंगा कि अपने चरम पर बल्लेबाज के रूप में कोहली अविश्वसनीय थे। उन पांच वर्षों में जब भारत टेस्ट क्रिकेट में नंबर 1 था... ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में और अलग-अलग प्रारूपों में उनकी कुछ पारियां अवास्तविक थीं। उन्होंने आगे बताया कि महेंद्र सिंह धोनी के

संन्यास के बाद उन्होंने कोहली को टीम का लीडर चुना। शास्त्री ने आगे कहा, जब मैंने कोच का पद संभाला और धोनी का कार्यकाल खत्म हुआ। उन्होंने शानदार काम किया। कोहली की बतौर बल्लेबाज प्राथमिक कौशल, दबदबा बनाने की क्षमता, डटकर और ईमानदारी से खेलने का रवैया, जीत की भूख और खेल को आगे ले जाने की चाह...ये सब काबिल-ए-तारीफ थे।विराट के साथ कैसा रहा अनुभव?विराट कोहली ने 2014 की टेस्ट सीरीज के दौरान महेंद्र सिंह धोनी के बाद कप्तानी संभाली थी। एडिलेड में अपने पहले ही टेस्ट मैच में बतौर कप्तान दो शतक जड़कर जोरदार शुरुआत की। अगले पांच वर्षों में उन्होंने लाल गेंद के क्रिकेट में दबदबा बनाया और 63.27 की शानदार औसत से 4492 रन बनाए जिसमें 18 शतक शामिल रहे।उनकी यह लगातार उत्कृष्ट बल्लेबाजी भारत को लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष स्थान पर बनाए रखने में अहम रही।रवि शास्त्री ने कहा, %विराट कोहली के साथ काम करना शानदार अनुभव था। वह वह खिलाड़ी थे, जिन्हें मैंने टीम की कमान संभालने के लिए सबसे उपयुक्त पाया। जब मैंने कोच की जिम्मेदारी ली और धोनी का कार्यकाल खत्म हुआ तब कोहली ने बेहतरीन काम किया। बतौर बल्लेबाज उनका मुख्य गुण था विपक्षी गेंदबाजों पर दबदबा बनाना, डटकर खेलना और पूरे दमखम के साथ मैदान पर उतरना। उनकी हमेशा यही सोच रहती थी कि मैच जीता जाए और खेल को आगे बढ़ाया जाए।कोहली अविश्वसनीय थे रवि शास्त्री ने माना कि विराट कोहली उन सभी खिलाड़ियों में सबसे खास रहे जिन्हें उन्होंने कोचिंग दी। फिर चाहें वह चेतेश्वर पुजारा हों, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा या जसप्रीत बुमराह हों। शास्त्री ने कहा, %मैं कहूंगा कि अपने चरम पर बल्लेबाज के रूप में कोहली अविश्वसनीय थे। उन पांच वर्षों में जब भारत टेस्ट क्रिकेट में नंबर 1 था... ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में अलग-अलग प्रारूपों में उनकी कुछ पारियां सचमुच अद्भुत थीं।

क्रिकेट जगत में शोक की लहर, 13 घंटे तक बल्लेबाजी कर चुके महान बल्लेबाज का निधन

नई दिल्ली ,18 अगस्त (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच बॉब सिम्पसन का 89 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। सिम्पसन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के महानतम चेहरों में से एक थे, जिनकी गिनती टीम की आधुनिक सफलता की नींव रखने वालों में होती है।सिम्पसन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे प्रभावी शख्सियतों में से एक थे। उन्होंने 1957 से लेकर 1978 तक अपने देश के लिए 62 टेस्ट मैच खेले और 71 विकेट भी लिए थे। वह स्लिप के शानदार फील्डरों में गिने जाते थे। 16 साल की उम्र में उन्होंने न्यू साउथ वेल्स की तरफ से फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था और पूरे करियर में कुल 21,029 रन बनाने के अलावा 349 विकेट भी अपने नाम किए। 50 टेस्ट मैच खेलने के बाद 1968 में उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था, लेकिन जब टीम पर मुसीबत आई तो उन्होंने संन्यास का फैसला वापस लिया और टीम की कप्तानी संभाली। कैरी पैकर की वर्ल्ड सीरीज के कारण कई बड़े खिलाड़ी इस लीग में खेलने चले गए थे। तब सिम्पसन ने अपना फैसला वापस लिया और कप्तानी करते हुए टीम को संभाला। उन्होंने अपने करियर में 10 शतक जमाए और ये सभी शतक उन्होंने कप्तान रहते हुए ही जमाए। इंग्लैंड के खिलाफ 1964 में मैनचेस्टर में उन्होंने अपने करियर की सबसे बेहतरीन पारी खेली। सबसे सफल सलामी जोड़ियों में से गिनी जाती है।

भारतीय महिला टीम को मिताली राज ने दी सलाह, बताया किस तरह खिताबी सूखा समाप्त कर सकती है टीम

नई दिल्ली ,18 अगस्त (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम अपने पहले विश्व खिताब की तलाश में है क्योंकि वह 50 ओवर के प्रारूप के फाइनल में दो बार चूक चुकी है।भारतीय महिला टीम वनडे विश्व कप के जरिये आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का अपना खिताबी सूखा समाप्त करने की राह देख रही है। भारतीय महिला टीम ने अब तक कभी कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है और अब उसके पास इस इंतजार को खत्म करने का मौका है। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी टीम को सलाह दी है और कहा कि अगर टीम अहम मौकों का फायदा उठाकर लय अपने पक्ष में कर ले तो वह खिताबी सूखा खत्म कर सकता है। प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा भारत मेजबान भारत अगले महीने होने वाले विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के साथ टूर्नामेंट जीतने के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। हरमनप्रीत कौर की

अगुआई वाली भारतीय टीम अपने पहले विश्व खिताब की तलाश में है क्योंकि वह 50 ओवर के प्रारूप के फाइनल में दो बार चूक चुकी है। मिताली ने कहा, मुझे लगता है कि भारत को बड़े मैचों के दौरान उन छोटे मौकों का फायदा उठाने की जरूरत है। यही वह संतुलन है जो दावेदार टीमों के बीच है। वे उन मौकों का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने और लय को अपने पक्ष में करने की कोशिश करती हैं और भारत को उन मौकों का फायदा उठाने की जरूरत है।वर्ष 2005 और 2017 में भारत को अपनी कप्तानी में विश्व कप फाइनल तक पहुंचाने वाली मिताली का मानना है कि खिताब जीतने से देश में महिला क्रिकेट पर एक क्रांतिकारी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात होगी। मेरा मतलब है कि यह एक ऐसी चीज है जिसे सभी खिलाड़ी, चाहे कोई भी बल्ला उठाए, जो भी देश का प्रतिनिधित्व करना चाहता हो, विश्व कप जीतना चाहेगा क्योंकि अभी तक भारत ने ऐसा नहीं किया है। हां, हम दो बार करीब पहुंचे हैं लेकिन अभी तक कप नहीं जीत पाए हैं। घरेलू मैदान पर विश्व कप जीतना बहुत अच्छा होगा क्योंकि यह बिल्कुल अलग मंच है।महिला विश्व कप 30 सितंबर से शुरू हो रहा है जिसमें भारत अपने अभियान की शुरुआत सह मेजबान श्रीलंका के खिलाफ करेगा।

इंग्लैंड में गिल की कप्तानी देखकर खुश हुए युवराज सिंह, प्रदर्शन को बताया अविश्वनीय, जमकर सराहा

नई दिल्ली,18 अगसत(एजेंसी) गिल के मेंटोर रहे युवराज ने कहा कि कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ियों के बिना भी भारतीय टीम ने चुनौती का डटकर सामना किया।भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से गिल ने इंग्लैंड दौरे पर कप्तानी की वो अविश्वनीय रही। युवराज का मानना है कि इस टेस्ट सीरीज से पहले विदेशी हालात को देखते हुए गिल की बल्लेबाजी पर सवाल उठाए जा रहे थे, लेकिन उन्होंने सभी को गलत साबित किया और शानदार प्रदर्शन किया।

रोहित के संन्यास के बाद मिली कमान गिल को रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी। कप्तान के तौर पर यह उनकी पहली सीरीज थी। गिल ने ना सिर्फ अपनी कप्तानी से प्रभावित किया, बल्कि बल्ले से भी चमक बिखेरी। एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज के दौरान गिल ने चार शतक लगाए और 754 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। वह स्श्वह्व देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में 700 से अधिक रन बनाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बने थे। भारत ने यह सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी।

युवराज ने कहा, गिल के विदेशी रिकॉर्ड पर कई सवालिया निशान थे। वह कप्तान बने और चार टेस्ट शतक जड़े। यह अविश्वसनीय है कि जब आपको जिम्मेदारी दी जाती है तो आप उसे कैसे लेते हैं। इसलिए मुझे भारतीय टीम पर बहुत गर्व है। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि यह हमारी जीत है, हालांकि यह सीरीज ड्रॉ रही क्योंकि यह युवा टीम है। और इंग्लैंड में जाकर खेलना और खुद को साबित करना आसान नहीं है।

युवराज बोले- रोहित-कोहली के बिना टीम ने चुनौती का

डटकर सामना किया विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत, आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल होने और उनके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार के कारण केवल तीन मैच खेलने के बावजूद सीरीज में भारत का दृढ़ संकल्प दिखा और उन्होंने ओवल में पांचवें टेस्ट में छह रन से रोमांचक जीत हासिल कर सीरीज बराबर कर दी। गिल के मेंटोर रहे युवराज ने कहा कि कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ियों के बिना भी भारतीय टीम ने चुनौती का डटकर सामना किया। युवराज ने कहा, यह वाकई शानदार है क्योंकि मुझे लगता है कि जब आपके पास इंग्लैंड जाने वाली युवा टीम होती है तो बहुत दबाव होता है। आप विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की जगह ले रहे होते हैं, यह आसान नहीं होता। खिलाड़ियों ने इसका डटकर सामना किया।युवराज ने जडेजा-वाशिंगटन के प्रयास को सराहायुवराज ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के प्रयासों की भी सराहना की, जिनकी लंबी साझेदारी की बदौलत भारत ने मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ कराया। युवराज ने कहा, टूर्नामेंट में वह पल शानदार था जब भारत ने टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई। मैंने बहुत लंबे समय से वाशिंगटन और जडेजा को शतक बनाते और टेस्ट मैच ड्रॉ कराते नहीं देखा। यह बहुत कुछ कहता है। निश्चित रूप से जडेजा लंबे समय से टीम में हैं। लेकिन मुझे लगता है कि टीम में युवा खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर ने जो किया वह अविश्वसनीय था।हित के संन्यास के बाद मिली कमान गिल को रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी। कप्तान के तौर पर यह उनकी पहली सीरीज थी। गिल ने ना सिर्फ अपनी कप्तानी से प्रभावित किया, बल्कि बल्ले से भी चमक बिखेरी।

व्यापार

अंबानी परिवार की संपत्ति अदाणी से दोगुनी होकर 28 लाख करोड़ हुई

नई दिल्ली ,18 अगस्त (एजेंसी)। बार्कलेज की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 300 सबसे मूल्यवान भारतीय परिवारों के पास 1.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (140 लाख करोड़ रुपये) से अधिक की संपत्ति है। यह देश की जीडीपी के 40 प्रतिशत से भी अधिक है। अकेले अंबानी परिवार की संपत्ति जीडीपी का 12 प्रतिशत है।

अरबपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले अंबानी परिवार के पास 28 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है। यह अदाणी परिवार की 14.01 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति से दोगुनी से भी अधिक है। हुरुन की ओर से बार्कलेज के सहयोग से तैयार की गई एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 300 सबसे मूल्यवान भारतीय परिवारों के पास 1.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (140 लाख करोड़ रुपये) से अधिक की संपत्ति है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 40 प्रतिशत से भी अधिक है। अकेले अंबानी परिवार की संपत्ति देश

के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 12 प्रतिशत है।बीते एक साल में अंबानी परिवार की संपत्ति 10 फीसदी बढ़ीहुरुन-बार्कलेज की रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी परिवार की संपत्ति में पिछले वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे यह देश में सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय के रूप में अपनी रैंकिंग बरकरार रखने में सफल रहा है। वहीं दूसरी ओर, अदाणी समूह पहली पीढ़ी के उद्यमी की ओर से शुरू किया गया देश का सबसे मूल्यवान व्यवसाय है।रिपोर्ट में दिए गए, आंकड़ों के अनुसार कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की संपत्ति पिछले साल 20 प्रतिशत बढ़कर 6.47 लाख करोड़ रुपये हो गई। वे पीढ़ी दर पीढ़ी आधार पर संपत्ति अर्जित करने वाले परिवारों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, जिंदल परिवार की संपत्ति भी 21 प्रतिशत बढ़कर 5.70 लाख करोड़ रुपये हो गई।देश के शीर्ष 300 परिवारों की संपत्ति एक साल में 17000 करोड़ रुपये बढ़ीबजाज परिवार सूची में एक स्थान नीचे खिसक कर चौथे स्थान पर आ गया। उनकी संपत्ति 21 प्रतिशत घटकर 5.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संपत्ति के लिहाज से देश के शीर्ष 300 परिवारों ने पिछले वर्ष प्रतिदिन 7,100 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की। रिपोर्ट के अनुसार, 1 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 8,700 करोड़ रुपये) से अधिक संपत्ति रखने वाले परिवारों की संख्या 37 बढ़कर 161 हो गई है। सूची में शामिल एक-चौथाई से अधिक व्यवसाय एक्सचेंजों में सूचीबद्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूची में शामिल केवल 11 प्रतिशत व्यवसाय सेवा क्षेत्र से जुड़े। वहीं बाकि 89 प्रतिशत भौतिक उत्पाद बेचते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष ऐसी नौ कंपनियां सूची से जुड़ी हैं जो परिवार के बाहर से नियुक्त पेशेवर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के जरिए व्यवसाय चलाना पसंद करती हैं। अब ऐसे परिवारों की कुल संख्या 62 है। सूची में मुंबई में सबसे अधिक 91 परिवार हैं। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर से 62 और कोलकाता से 25 परिवार हैं।परिवारों में नई पीढ़ी की ओर से व्यवसाय चलाने के बजाय धन का प्रबंधन करने को प्राथमिकता दिए जाने के बारे में भी रिपोर्ट में चर्चा की गई है। बार्कलेज के निजी बैंक के प्रमुख नितिन सिंह ने कहा कि अगले पांच वर्षों में 130 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति पीढ़ियों के बीच स्थानांतरित होने की उम्मीद है। रिकॉर्ड 71 परिवार अब समर्पित पारिवारिक कार्यालय संचालित कर रहे हैं।रिपोर्ट में एक दिलचस्प जानकारी देते हुए कहा गया है कि निजी इक्विटी ने ऐसे व्यवसायों में अपने स्वामित्व का विस्तार किया है। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने इस मामले में टेमासेक की ओर से हल्दीराम में किए गए निवेश का उदाहरण दिया है।संपत्ति के मामले में शीर्ष परिवारों ने 5100 रुपये दान में दिएउन्होंने कहा कि पिछले वर्ष शीर्ष पारिवारिक व्यवसायों में से लगभग तीन-चौथाई की संपत्ति में वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ के केंद्र में होने के कारण, सूची में शामिल लगभग 120 कंपनियों, जिनमें अरविंद का डेनिम, भारत फोर्ज का ट्रक एक्सल और मेरिल के मेडिकल उपकरण शामिल हैं, को अगले 12 महीनों में अरबों डॉलर के निर्यात राजस्व का जोखिम उठाना पड़ सकता है। यह खतरा

चीन ने भारत को यूरिया निर्यात में ढील दी, तनाव कम करना उद्देश्य अब 3 लाख टन हो सकेगी खरीद

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसी)। 2023 में चीन का आधा यूरिया निर्यात भारत को होता था लेकिन पिछले साल इसने दुनिया के सभी देशों को यूरिया की बिक्री रोक दी। इस जून में चीन ने इस प्रतिबंध में ढील दी लेकिन भारत पर लगा प्रतिबंध अभी तक जारी था। अब इसमें ढील दी गई है। चीन ने भारत के साथ तनाव घटाने की कवायद के तहत यूरिया के निर्यात में ढील दे दी है। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत चीन से तीन लाख टन तक यूरिया का आयात कर सकता है।भारत दुनिया में यूरिया का सबसे बड़ा आयातक है। चीन ने भारत के साथ तनाव घटाने की पहल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद की है। भारत और चीन के बीच जून, 2020 में लद्दाख की गलवां घाटी में हिंसक झड़प के बाद से संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि पिछले कुछ महीनों में हालात में सुधार दिखा है फिर भी दोनों देशों के

बीच कई मुद्दों पर विवाद जारी है।2023 में चीन ने रोकी थी यूरिया की बिक्री2023 में चीन का आधा यूरिया निर्यात भारत को होता था लेकिन पिछले साल इसने दुनिया के सभी देशों को यूरिया की बिक्री रोक दी। इस जून में चीन ने इस प्रतिबंध में ढील दी लेकिन भारत पर लगा प्रतिबंध अभी तक जारी था। अब इसमें ढील दी गई है। हालांकि 3 लाख टन की मात्र बहुत अधिक नहीं है लेकिन धीरे-धीरे इसमें बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इससे वैश्विक आपूर्ति में सुधार होने और कीमतों में कमी आने की उम्मीद है।18.70 लाख टन से घटकर सिर्फ एक लाख टन रह गया था आयातभारत ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान 57 लाख टन यूरिया का आयात किया था। यह पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी कम था। वहीं, प्रतिबंध के कारण चीन से होने वाला आयात 2023-24 के 18.70 लाख टन से घटकर 2024-25 में एक लाख टन के करीब रह गया था। भारत की ज्यादातर अर्थव्यवस्था अब भी कृषि पर निर्भर है और इसलिए घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को उर्वरकों को बड़ी मात्रा में आयात करना

क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में डो क्रोन दोषी करार, 25 साल तक की हो सकती है सजा

नईदिल्ली ,18 अगस्त (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के पूर्व तकनीकी कार्यकारी और टेराफॉर्म लैब्स के प्रमुख डो क्रोन अमेरिका में धोखाधड़ी के 2 मामलों में दोषी करार दिए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 2022 में क्रिप्टोकरेंसी टेरा यूएसडी और लूना के पतन में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को 40 अरब डॉलर (लगभग 3,500 अरब रुपये) से अधिक का नुकसान हुआ। याचिका समझौते के तहत, अभियोजकों ने 12 साल से अधिक की सजा की मांग न करने पर सहमति दी है।डो क्रोन सिंगापुर स्थित टेराफॉर्म लैब्स के प्रमुख थे, जो टेरा यूएसडी और लूना नाम की क्रिप्टोकरेंसी चलाती थी। इन दोनों डिजिटल मुद्राओं के 2022 में क्रैश होने से क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट आई। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद वे दक्षिण कोरिया भाग गए और बाद में मोंटेनेग्रो में गिरफ्तार हुए, जहां से उन्हें अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। न्यूयॉर्क की एक अदालत में लंबे कानूनी संघर्ष के बाद उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की।अभियोजकों का कहना है कि क्रोन ने टेरा यूएसडी की स्थिरता के बारे में झूठे दावे किए और 2021 में एक ट्रेडिंग फर्म से गुप्त रूप से टोकन खरीदने की व्यवस्था की। उन्होंने निवेशकों को बताया कि यह प्रक्रिया एक कंप्यूटर एल्गोरिथ्म द्वारा संचालित थी, जबकि वास्तविकता अलग थी। इन गलत बयानों से निवेशकों ने भारी निवेश किया, जिससे लूना टोकन के मूल्य में कृत्रिम बढ़ोतरी हुई। अगले वर्ष दोनों मुद्राएं धराशायी हो गईं।डो क्रोन को 1.93 करोड़ डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये), ब्याज और कई संपत्तियां जब्त करनी होंगी,

वैश्विक बाजारों में बिकवाली से सोना 1000 रुपये कमजोर हुआ, चांदी 2000 रुपये सस्ती हुई

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों में बिकवाली के बीच दिल्ली में मंगलवार को सोने की कीमत 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 1,01,520 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। मंगलवार को चांदी की कीमत 2,000 रुपये की गिरावट के साथ 1,12,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। आइए जानें सर्राफा बाजार का हाल विस्तार से।वैश्विक बाजारों में बिकवाली के बीच दिल्ली में मंगलवार को सोने की कीमत 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 1,01,520 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,02,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर था।स्थानीय बाजारों में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव मंगलवार को 1,000 रुपए घटकर 1,01,100 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। अबांस फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ चिंतन मेहता ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर स्पष्ट किए जाने के बाद कि सोने के आयात पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा, सोने की कीमतों में गिरावट आई है।

हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है, लेकिन इस घोषणा से व्यापार संबंधी कुछ चिंताएं कम हुई हैं। इसके अलावा, अमेरिका ने सोमवार को बताया कि चीन पर जवाबी टैरिफ के निलंबन की अवधि को 11 नवंबर तक बढ़ा दिया जाएगा। मेहता के अनुसार इस फैसले से व्यापक आर्थिक तनाव को कम करने में मदद मिली है, जिसके कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई है।मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे बढ़कर 87.65 पर पहुंच गया। इस बीच, मंगलवार को चांदी की कीमत 2,000 रुपये की गिरावट के साथ 1,12,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। सोमवार को यह 1,14,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,347.18 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।ऑग्मोंट की अनुसंधान प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि सोमवार को ट्रम्प की घोषणा कि सोने पर टैरिफ नहीं लगेगा, ने धातु के आयात की कीमत में नाटकीय वृद्धि के बारे में चिंताओं को दूर कर दिया है,

सरगबुंदिया, मड़वारानी रेलवे स्टेशन में एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की दरकार

यात्रियों को हो रही परेशानी, चाम्पा स्टेशन की लगानी पड़ रही दौड़

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा -चाम्पा रेल खण्ड का सरगबुंदिया रेलवे स्टेशन तहसील मुख्यालय बरपाली से लगे होने के बावजूद यात्री सुविधाओं को लेकर रेलवे प्रबंधन एवं जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से उपेक्षित है ।दशकों की मांग के बावजूद स्टेशन से होकर नियमित गुजरने वाली हसदेव एक्सप्रेस एवं लिंक एक्सप्रेस का ठहराव यहाँ नहीं हो सका । जिससे इस स्टेशन से लगे दर्जनों गांव लोगों को एक्सप्रेस ट्रेनों को पकड़ने चाम्पा स्टेशन की दौड़ लगानी पड़ रही। क्षेत्र की जनता के हिस्से में यात्री सुविधाओं के नाम पर मायूसी ही हाथ लगी है।

कोरबा -चाम्पा रेल खण्ड के मध्य में सरगबुंदिया एवं मड़वारानी स्टेशन अवस्थित है। सरगबुंदिया जहाँ बरपाली तहसील से लगा व्यस्तम रेलवे स्टेशन है वहीं मां मड़वारानी में अंचल की प्रसिद्ध देवी पर्वतवासिनी मां मड़वारानी अवस्थित हैं। जहाँ प्रतिवर्ष पूरे प्रदेश से लाखों श्रद्धालु मनोवांछित फल की कामना लिए मत्था टेकने पहुंचते हैं, लेकिन ये दोनों स्टेशन आज भी एक्सप्रेस ट्रेनों की सुविधाओं के नाम उपेक्षित हैं। प्रतिदिन इन दोनों स्टेशनों से होकर हसदेव (रायपुर - कोरबा) एक्सप्रेस एवं लिंक (कोरबा -विशाखापट्टनम) एक्सप्रेस गुजरती है ,लेकिन दोनों ही एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव यहाँ नहीं हो सका। जिसकी वजह से इन स्टेशनों से लगे दर्जनों गांव के लोगों को रायपुर की ओर आवागमन के लिए चाम्पा स्टेशन का रुख करना पड़ता है। इन दोनों रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन सैकड़ों मालगाड़ी गुजरती हैं ,निश्चित तौर पर देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला ढुलाई की रफ्तार बढ़ाना आवश्यक है ,लेकिन रेल प्रबंधन ने कोरबा -चाम्पा के मध्य के इन महत्वपूर्ण स्टेशनों में उस अनुपात में यात्री सुविधाओं का विस्तार करने की ओर कभी ध्यान नहीं दिया। एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की बात तो दूर सरगबुंदिया रेलवे स्टेशन में रेलवे प्रबंधन यात्रियों को तकलीफ देने कोई कसर नहीं छोंड़ती ।प्लेटफार्म नंबर 2 से लगे गुड्स साइडिंग ट्रेक में हमेशा मालगाड़ी या अन्य लगेज वैगन खड़ी रहती हैं। जिससे फुट ओवर ब्रिज का कोई महत्व नहीं रह जाता। यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर 1 में आकर एफओबी से प्लेटफार्म नंबर 2 में आकर गाड़ी पकड़नी पड़ती है। कई मौकों पर हड़बड़ी में कई यात्री मालगाड़ी के नीचे से जाकर खतरा मोल लेते हुए ट्रेन पकड़ते हुए नजर आते हैं।

तो बिल्हा के साथ सरगबुंदिया व मड़वारानी भी होते लाभान्वित

लोगों ने बताया कि बिलासपुर -रायपुर रेल खण्ड के बीच बिल्हा रेलवे स्टेशन में 29 अगस्त 2023 से हसदेव एक्सप्रेस का ठहराव पुनः शुरू कर दिया गया। यह प्रयास महज जनप्रतिनिधियों की सक्रियता का ही परिणाम है । ऐसे प्रयास कोरबा के जनप्रतिनिधियों की ओर से देखने को नहीं मिली। कोरबा की रेल संघर्ष समिति का भी पूरा फोकस कोरबा रेलवे स्टेशन से ही यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर देखने को मिली। कोरबा से चाम्पा जंक्शन की दूरी 40 किलोमीटर है। इस फासले के बीच 5 रेलवे स्टेशन हैं जिनमें कहीं ही इन एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज(ठहराव) नहीं है । इस लिहाज से भी सरगबुंदिया या मड़वारानी में इन एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव दिया जा सकता है।

प्रतिवर्ष 48 हजार से अधिक यात्री

सरगबुंदिया रेलवे स्टेशन को देखें तो गत वित्तीय वर्ष 2024 -25 में इस स्टेशन से 31 हजार 470 टिकट बिके। 48 हजार 64 यात्रियों ने ट्रेन से यात्रा की। टिकट बिक्री के तौर पर रेलवे को 11 लाख 15 हजार 412 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इस तरह देखें तो औसतन प्रतिमाह 4 हजार 5 यात्रियों ने सफर की। चालू वित्तीय वर्ष 2025 -26 में जुलाई माह तक अब तक 11 हजार 36 टिकट बिके ,जिसमें 17 हजार 895 यात्रियों ने सफर की। जिससे 3 लाख 42 हजार का राजस्व प्राप्त हुआ है।

महज इन ट्रेनों का ठहराव

बात करें यात्री ट्रेनों की ठहराव की तो सरगबुंदिया रेलवे स्टेशन में महज 4 ट्रेनों का ही ठहराव होता है। इनमें अप दिशा से गेवरारोड -रायपुर मेमू स्पे0 ,कोरबा अमृतसर छ.ग.एक्सप्रेस, गेवरा ईंतवारी शिवनाथ पैसे.कम एक्सप्रेस ,कोरबा बिलासपुर मेमू का ठहराव होता है। डाउन दिशा में बिलासपुर -गेवरारोड पैसे.स्पे0 (08212,08210),रायपुर -गेवरारोड मेमू स्पे0 एवं बिलासपुर कोरबा मेमू शामिल है।

इलाज के दौरान महिला की मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत निजी अस्पताल में रविवार को इलाज के दौरान एक नवविवाहिता की मौत हो गई। मृतका गंगा बाई निवासी ज़मनीमुड़ा है। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार गंगा बाई की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए बांकीमोंगरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह अस्पताल सरकारी डॉक्टर द्वारा संचालित किया जाता है। इलाज के दौरान महिला की हालत और बिगड़ गई और कुछ ही देर बाद उसने दम तोड़ दिया।

जेसीबी और ट्रैक्टर से डीजल की चोरी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। श्यांग क्षेत्र से खड़ी जेसीबी और ट्रैक्टर से लगभग 100 लीटर डीजल की चोरी हो गई। इसकी रिपोर्ट ग्राम चिर्रा में रहने वाले भीष्म पांडे ने थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की रात जेसीबी मशीन से डीजल लॉक को तोड़कर चोरों ने 40 लीटर डीजल की चोरी कर ली। इसके अलावा ट्रैक्टर से 20 लीटर, बैटरी और दो डिब्बे में रखे 40 लीटर डीजल की चोरी कर ली। इसकी कीमत लगभग 12 हजार 600 रुपए बताया जा रहा है। चोरों की तलाश की जा रही है।

घर के बाहर से बाइक की चोरी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बालकोनगर क्षेत्र के भदरपारा साडा कॉलोनी से बाइक की चोरी हो गई। बाइक गणेश प्रसाद सोनी की है। गाड़ी क्रमांक सीजी 12 बीडी 2203 को लेकर साडा कॉलोनी में रहने वाला सोम्य सोनी घर के बाहर सुबह 11.30 बजे खड़ी किया था। शाम लगभग पांच बजे घर के बाहर बाइक खड़ी करने वाले स्थान पर नजर पड़ी। बाइक नहीं थी। आसपास पतासाजी किया, लेकिन गाड़ी नहीं मिली। इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज किया है।

सड़क हादसे में घायल दो लोगों की मौत

वीआईपी मार्ग पर हुआ था हादसा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में पिछले हफ्ते वीआईपी रोड पर अंधरीकछार के पास कार की ठोकर से घायल दो मजदूरों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों पश्चिम बंगाल के मूल निवासी थे। अस्थाई तौर पर कोरबा के रामसागरपारा में रहकर काम करते थे। मृतकों में हसीबुल शाह (50) और सुल्तान शाह (30) शामिल है।

घटना पिछले सप्ताह रविवार को हुई थी। हसीबुल और सुल्तान रोजी मजदूरी कर रविवार की शाम बाइक से रामसागरपारा लौट रहे थे। इस बीच रास्ते में तानसेन चौक से सीएसईबी चौक के बीच विद्युत गृह स्कूल मोड़ पर विपरित दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दिया। दोनों मजदूर हवा में उछलकर सड़क पर गिर गए। उन्हें गंभीर चोटें आई। घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से हायर सेंटर रेफर किया गया। इलाज के दौरान बिलासपुर अपोलो में हसीबुल शाह की मौत हो गई। जबकि घायल सुल्तान को लेकर परिवार के सदस्य पश्चिम बंगाल कोलकता चले गए थे। सुल्तान को कोलकता के पीजीआई हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। इलाज के दौरान सुल्तान की ने भी दम तोड़ दिया। दोनों मजदूरों के परिचित ने शनिवार को सिविल लाइन थाना में सूचना दी। इसमें हसीबुल और सुल्तान के मौत की जानकारी दी। जिस दिन घटना हुई दोनों मजदूर कोरबा नगर निगम साकेत भवन स्थित सभागार में फर्नीचर का काम कर घर लौट रहे थे।

प्रायमरी और मिडिल का सिलेबस बदला

आर्ट एंड क्राफ्ट और खेल शिक्षा भी पाठ्यक्रम में शामिल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। स्कूली शिक्षा की बुनियाद को मजबूती देने के लिए शिक्षा सत्र 2025-26 में कक्षा पहली, दूसरी, तीसरी और छठवीं के पाठ्यक्रमों को बदला गया है। सभी कक्षाओं के छात्रों को नई किताबें दी जा रही हैं। बार कोड्स स्कैन करने और एप्प वाली बाध्यता के बाद किताबें आने में देर जरूर हुई हैं। अब सारी किताबें लगभग पहुंच चुकी हैं। प्रायमरी और मिडिल स्कूलों की शुरुआती कक्षाओं में लगभग पूरे पाठ्यक्रम को बदल दिया गया है। छठवीं कक्षा में अब 6 की जगह कुल 9 विषय होंगे। पूरा फोकस छात्रों के सर्वांगीण विकास पर होगा। आर्ट एंड क्राफ्ट और खेल की शिक्षा को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है.

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबों को देखने के बाद इसमें छत्तीसगढ़ के संदर्भ में आवश्यक संशोधन और अनुकूलन किया है। शिक्षा सत्र शुरू होने के डेढ़ माह बाद भी स्कूलों में छात्रों तक पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित किताबें नहीं पहुंच पाई थीं। इसका प्रमुख कारण कुछ कक्षाओं के पाठ्यक्रम में बदलाव के साथ-साथ किताबों में अंकित क्यूआर कोड स्कैन करने में लेटलतीफी रही। पाठ्यक्रमों में संशोधन की जिम्मेदारी राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की थी। लेखकों, विशेषज्ञों, साहित्यकारों के सहयोग से चारों कक्षाओं के लिए नई किताबें तैयार की गई ।वहीं सत्र 2026-27 में होने वाले बदलाव को लेकर एससीईआरटी द्वारा किताबें लिखने का काम शुरू किया है। नई किताबों को लिखने में विभिन्न स्कूलों, प्रशिक्षण संस्थानों के शिक्षकों व राज्य शिक्षा स्थायी समिति के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रहेगी। नई शिक्षा नीति के अनुरूप किताबें तैयार की जाएंगी। इनमें राज्य के अनुसार संशोधन किया जाएगा। इसमें गणित व विज्ञान की किताबें अप्रभावित रहेंगी। जैसा एनसीईआरटी से बनकर आएगा, वैसा ही उसे रखा जाएगा, जबकि हिंदी, अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञान की किताबों में छत्तीसगढ़ के संदर्भ में जरुरी संशोधन किया जाएगा।

प्रायमरी में संस्कृति, परंपरा और पर्व जोड़े गए

विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपरा और पर्व जोड़े गए एनसीईआरटी की 5वीं कक्षा की हिंदी भाषा की किताब वीणा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), गगनयान, गंगा नदी, राजा विक्रमादित्य से लेकर राजा भोज तक की कहानियां शामिल हैं। इसमें पहली बार छात्रों को विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों, परंपराओं और पर्वों को भी जोड़ा गया। छत्तीसगढ़ में 5वीं कक्षा की किताब में यहां की विभिन्न संस्कृतियों और पर्वों को शामिल किया जाएगा।

छठवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में कुल 9 विषय

मिडिल स्कूल की पढ़ाई छठवी क्लास से शुरू होती है। फिलहाल छठवीं क्लास में अब गणित की जगह गणित प्रकाश, हिंदी की जगह मल्हार, संस्कृत की जगह दीपकम, इंग्लिश के जगह पूर्वी, विज्ञान की जगह जिज्ञासा की पढ़ाई होगी। इसी तरह सामाजिक विज्ञान की जगह समाज का अध्ययन भारत और उसके आगे का अध्ययन छात्र करेंगे। तीन और विषय अलग से जोड़े गए हैं. जिनमे कौशल बोध, कृति और खेल यात्रा शामिल हैं। कौशल बोध में व्यवसायिक ज्ञान बच्चा को दिया जाएगा. जिसमें साइकिल रिपेयर से लेकर अलग-अलग टूल्स को पहचानना और छोटे मोटे कार्यों को करवाया जाएगा. कृति में ड्राइंग, पेंटिंग, संगीत थिएटर की भी शिक्षा बच्चे प्राप्त करेंगे। इसी तरह खेल यात्रा में अलग-अलग खेलों के विषय में बताया गया है। शारीरिक व्यायाम और योग को भी शामिल किया गया।

ट्रैफिक एएसआई मनोज राठौर सम्मानित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में शहर में यातायात व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य करने पर ट्रैफिक पुलिस के एएसआई मनोज राठौर को सम्मानित किया गया।

शहर के सीएसईबी ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अलग-अलग विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने हाथों से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें ट्रैफिक पुलिस से एएसआई मनोज राठौर भी सम्मानित हुए। उन्हें शहर में यातायात व्यवस्था में बेहतर ढंग से कार्य करने पर उक्त सम्मान दिया गया। एएसआई राठौर शहर के चौक-चौराहों पर जाम लगने की सूचना मिलते ही अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर त्वरित रूप से कार्य करते हुए यातायात व्यवस्था बहाल कर देते हैं। वहीं टीम के साथ लगातार कार्रवाई करने में जुटे रहते हैं।

मानसून के रूठने से तापमान में बढ़ोतरी

अगले 4 दिनों तक गरज चमक के साथ बारिश की संभावना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में मानसून के रूठने से तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। रविवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह से तेज धूप के कारण गर्मी से लोग परेशान हो रहे है। रात में कई क्षेत्रों में बौछार पड़ी। मौसम विभाग के अनुसार अगले 4 दिनों तक गरज चमक और तेज आंधी के साथ बौछार पड़ेगी।

भादो की शुरुआत से ही खंड बारिश हो रही है। जिले में अभी तक 753 मिली मीटर औसत बारिश हो चुकी है। सामान्य बारिश 791.4 मिली मीटर है। इस हिसाब से 5 प्रतिशत बारिश की कमी है। 24 घंटे में करतला में 5.8, दर्री में 10.3 और हरदीबाजार में 1.02 मिली मीटर बारिश रिकार्ड की गई है। दिन भर तेज धूप निकलने के कारण उमस भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार कई क्षेत्रों में गरज चमक के साथ बौछार पड़ेगी। इसके बाद मौसम में बदलाव हो सकता है। 22 अगस्त के बाद झमाझम बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके बाद ही तापमान में गिरावट आएगी। अभी चार दिनों तक तापमान 30 से 31 डिग्री के बीच बना रहेगा। गर्मी में कमी नहीं आएगी।

शक्ति नगर गेवरा में खिला ब्रम्हकमल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शक्ति नगर गेवरा के क्वार्टर नंबर बी 21 में रहने वाले प्रशांत दुबे के आंगन में ब्रम्हाकमल के दो फूल खिले हैं। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर इन फूलों के खिलने से परिवार काफी आनंदित हुआ। कोरबा पुराना बस स्टैंड पटवारी के पद पर कार्यरत श्री दुबे ने बताया कि ब्रह्मकमल, जिसे हिमालय के फूलों का राजा भी कहा जाता है, एक दुर्लभ और पवित्र फूल है जो आमतौर पर उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों में पाया जाता है। यह फूल साल में केवल एक बार, रात में खिलता है और इसे सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

लेनदेन के विवाद में ग्रामीण की पिटाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पसान क्षेत्र के ग्राम छिंदिया के पास उधार के रुपए लेनदेन को लेकर आरोपी ने ग्रामीण से मारपीट कर दी। घटना मे ग्राम बाबूपारा में रहने वाले भजन लाल कुर्रे को चोटें आई है। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित का आरोप है कि वह बाइक से घूमने के लिए छिदिंया गया था। वहा रायसिंह होटल में रूका वहां रायसिंह ने उधार का 190 रुपए की मांग की। भजन लाल ने रुपए बाद में देने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर रायसिंह ने गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्का से मारपीट किया। साथ ही उसकी पत्नी से भी गाली-गलौज का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है।

गणेश उत्सव की तैयारियां तेज, बन रही मूर्ति, सज रहे पंडाल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पूरे देश में गणेश उत्सव की तैयारियां तेज हो गई है। बुधवार 27 अगस्त को गणपति पूजा है। उससे पहले जिले में मूर्तिकार बप्पा की मूर्तियां तैयार कर रहे हैं। यहां बंगाली मूर्तिकार परंपरागत तरीके से भगवान गणेश की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। समितियां पूजा पंडालों को आकर्षक रूप देने में लगी हुई है।

जिले में हर साल पश्चिम बंगाल के मूर्तिकार मूर्ति बनाते हैं। ये कलाकार शहर के आस पास के गांवों में निवास करते हैं। उन्हें मूर्तिकारी की कला पूर्वजों से विरासत में मिली है। इन मूर्तिकारों का कहना है कि वह अपने पूर्वजों के व्यवसाय और कला को जीवित रखने के उद्देश्य से लगातार मूर्तियां बनाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि वे लोग बीते 20 से 30 वर्षों से इस कला को जीवित रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम पूरे परिवार के साथ मूर्तियों का व्यवसाय कर रहे हैं। इस बार उन्होंने छोटी, बड़ी मूर्तियां बनाई है। इसकी कीमत 500 रुपये से लेकर 15 हजार रुपये प्रति मूर्ति है। यह उनके लिए खुशी की बात है कि वे अपने पैतृक व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे हैं और इस कला को जीवित रखे हुए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-